MUMBAI TARANG

संपादक : दिलीप नानजीभाई पटेल ❖ उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा ❖ वर्ष-03 ❖ अंक-33 ❖ मुंबई ❖ रविवार 07 से 13 अगस्त 2022 ❖ पृष्ठ-8 ₹4/-

RNI No. MAHHIN/2020/78591
Postal Reg. No. MNW/354/2020-2022

मुंबई तरंग

www.mumbaitarang.com

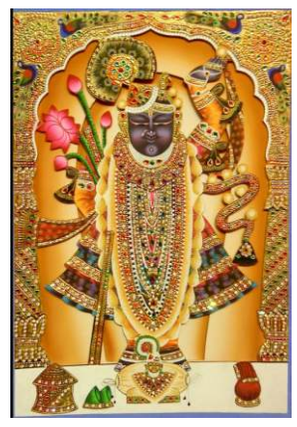

पेज 3
'शिवसेना' पर फिलहाल फैसला न करें चुनाव आयोग : सुप्रीम कोर्ट

पेज 5
अभिनेत्री श्रद्धा शर्मा द्वारा नाम को श्रद्धा रानी शर्मा करने से किस्मत उनका साथ देने लगी

पेज 7
प्रेग्नेंसी फोटोशूट में लिपलॉक करते नजर आए धीरज धूपर

पेज 8
पांच महीने में पांच जेहादी मॉड्यूल का खुलासा, मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने दी जानकारी

एक नजर

भारत-मालदीव ने की सैन्य सहयोग पर चर्चा

नई दिल्ली। सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे ने बृहस्पतिवार को मालदीव के सैन्य बल के प्रमुख मेजर जनरल अब्दुल्ला शमाल से द्विपक्षीय सहयोग तथा सुरक्षा सहयोग मजबूत करने के तरीकों पर गहन चर्चा की। मेजर जनरल शमाल अभी भारत की यात्रा पर हैं। मालदीव हिंद महासागर क्षेत्र में भारत के प्रमुख समुद्री पड़ोसी देशों में से एक है और पिछले कुछ वर्षों में द्विपक्षीय रक्षा एवं सुरक्षा संबंध मजबूत हुए हैं। सेना ने ट्वीट किया, 'जनरल मनोज पांडे ने रक्षा बल प्रमुख मेजर जनरल अब्दुल्ला शमाल का गर्मजोशी से स्वागत किया और दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की।'

मानसिक हेल्थ से जुड़े पेशेवरों के लिए रिसोर्स बुक

नई दिल्ली। मारीवाला हेल्थ इनिशिएटिव (एमएचआई) हर्ष मारीवाला द्वारा स्थापित एक व्यक्तिगत परोपकारी पहल है जो मानसिक स्वास्थ्य के लिए एक खास दृष्टिकोण की वकालत करने, क्षमता निर्माण करने और अनुदान जुटाने वाला संगठन है। एमएचआई हाशिए पर स्थित लोगों और समुदायों के लिए मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं को सुलभ बनाने पर जोर देता है। सभी को साथ लाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में एमएचआई ने मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े पेशेवरों के लिए एक रिसोर्स बुक, क्वीर अफर्मेटिव काउंसिलिंग प्रैक्टिस (क्यूएसीपी) पेश की है। इस पुस्तक का उद्देश्य मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े पेशेवरों को एलजीबीटीक्यूआईए+ व्यक्ति जिन खास तरह के तनावों का सामना करते है, उनकी पहचान करना और ऐसे तनावों पर काबू पाने में मदद करना है।

राष्ट्रपति बाइडन की कोविड रिपोर्ट निगेटिव

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन कोविड परिक्षण में संक्रमित नहीं मिले हैं, जिसके बाद उन्होंने व्हाइट हाउस में पहली बार व्यक्ति गत रूप से उपस्थिति दर्ज कराई। बाइडन ने बुधवार को रोज गार्डन से टिप्पणी में कहा, 'मेरे शरीर में कोविड के हल्के लक्षण मिले थे, जिससे मैं जल्दी ठीक हो गया। मैं अब अच्छा महसूस कर रहा हूं।'

रोऊंगा नहीं, लड़ूंगा! संजय राऊत ने दिया संघर्ष का नारा

मुंबई, शिवसेना नेता व सांसद संजय राऊत ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा की गई कार्रवाई के बाद उन्हें समर्थन देनेवाले कांग्रेस और मित्र दलों का आभार माना है। संजय राऊत ने इस संबंध में एक पत्र लिखा है और समर्थन देनेवाली सभी पार्टियों के प्रति आभार व्यक्त किया है। हिंदूहृदयसम्राट शिवसेनाप्रमुख बालासाहेब ठाकरे ने हमेशा सिखाया है कि 'रोने का नहीं, लड़ने का'। हम उसी सिद्धांत के साथ काम कर रहे हैं और इस तरह की कार्रवाइयों से डरे बिना हम लड़ते रहेंगे, ऐसा सांसद राऊत ने अपने पत्र में लिखा है। मुश्किल घड़ियों में ही सच्चे और वफादार मित्र की पहचान होती है। वेंâद्र सरकार ने राजनीतिक हेतु से जांच एजेंसियों के माध्यम से मेरे खिलाफ जो कार्रवाई की तो सभी मित्र दलों ने मेरा समर्थन किया। खासकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने ट्वीट कर इस कार्रवाई की निंदा की थी। इसके आगे भी हम पर इस प्रकार की कार्रवाई होती रहेगी और दबाव आते रहेंगे। लेकिन किसी भी दबाव के आगे न झुकते हुए सच्चाई के लिए मेरी लड़ाई जारी रहेगी, ऐसा संजय राऊत ने अपने पत्र में लिखा है। उन्होंने यह भी विश्वास व्यक्त किया है कि शिवसेनाप्रमुख बालासाहेब ठाकरे की सीख, शिवसेनापक्षप्रमुख उद्धव ठाकरे, मेरे परिवार और शुभचिंतकों के समर्थन से जल्द ही इस कठिन समय से बाहर निकलेंगे।

1000 करोड़ का अवैध स्टूडियो ध्वस्त करने का आदेश

पूर्व मंत्री असलम शेख के खिलाफ ऐक्शन में शिंदे सरकार

मुंबई: महाराष्ट्र के पूर्व कैबिनेट मंत्री और कांग्रेस नेता असलम शेख की मुश्किलें बढ़ती हुई नजर आ रही हैं। उनके खिलाफ महाराष्ट्र पर्यावरण मंत्रालय ने नोटिस जारी किया है। इसके अलावा मुंबई (Mumbai) कलेक्टर और बीएमसी (BMC) को कड़ा एक्शन लेने का निर्देश दिया है। आपको बता दें कि शेख पर मालवणी के मढ-मार्वे इलाके में एक हजार करोड़ रुपए के स्टूडियो घोटाले का आरोप लगा है। बीजेपी (BJP) नेता किरीट सोमैया के मुताबिक असलम शेख ने पर्यावरण के नियमों को ताक पर रखकर अवैध स्टूडियो का निर्माण करवाया था। अब इन्हीं पर कार्रवाई का आदेश सरकार की तरफ से दिया गया है। किरीट सोमैया के मुताबिक जल्द ही इन पर बुलडोजर चल सकता है।

क्या बोले किरीट सोमैया?

बीजेपी नेता और पूर्व सांसद किरीट सोमैया ने असलम शेख पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा की मढ- मार्वे इलाके में समंदर किनारे असलम शेख मित्र परिवार ने गैरकानूनी तरीके से एक हजार करोड़ रुपए की कीमत के अवैध स्टूडियो बनवाए हैं। जो पर्यावरण के लिए खतरनाक साबित हो सकते हैं। ऐसे में महाराष्ट्र पर्यावरण मंत्रालय ने उसके खिलाफ कार्रवाई के आदेश दिए हैं। ऐसे में जल्द ही इन अवैध स्टूडियो पर बीएमसी का बुलडोजर चल सकता है।

फडणवीस से मिले थे असलम शेख पूर्व कैबिनेट मंत्री असलम शेख कुछ दिनों पहले अचानक सुर्खियों में आए थे। दरअसल उन्हें बीजेपी नेता मोहित कंबोज के साथ एक गाड़ी में जाते हुए देखा गया था। बाद में पता चला कि उन्होंने कंबोज के साथ महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात की है। इस मुलाकात के बाद से ही यह अटकलें लगना शुरू हो गई थीं कि असलम शेख भी जल्द ही बीजेपी का दामन थाम सकते हैं। हालांकि इस मुद्दे पर उनकी तरफ से कोई बयान सामने नहीं आया था।

उस दौरान यह भी कहा जा रहा था कि असलम शेख पर भी ईडी की कार्रवाई कर सकती है। शायद इसी वजह से उन्होंने फडणवीस से मुलाकात की है। हालांकि अब यह बात सामने आई है कि असलम शेख ने 1000 करोड़ रुपए के अवैध स्टूडियो बनाकर एक बड़ा घोटाला अंजाम दिया है।

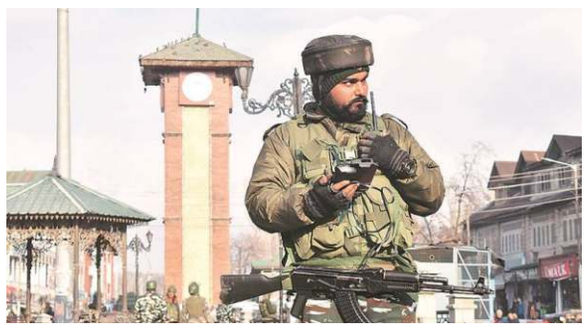

कश्मीर में जारी है मौत का मंजर! अनुच्छेद 370 हटाकर शांति कायम नहीं रख सकी केंद्र सरकार

जम्मू, केंद्र की मोदी सरकार ने तीन साल पहले ५ अगस्त २०१९ को कश्मीर में अनुच्छेद ३७० हटा दिया था। इसके पीछे सरकार का मकसद राज्य में शांति कायम करना था लेकिन केंद्र सरकार इसमें सफल नहीं हो सकी। उसके दावे फुस्स हो गए और आज तक कश्मीर को हिंसा से मुक्ति नहीं मिली। राज्य में अभी भी मौत का मंजर जारी है। पुलिस द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार ५ अगस्त २०१९ से लेकर ५ अगस्त २०२२ तक ८७३ की जान जा चुकी है यानी हर दिन औसतन एक की मौत होती है।।

१७४ सुरक्षाकर्मियों ने दी शहादत

हालांकि इसमें सबसे बड़ा आंकड़ा आतंकियों का है, जिनके खिलाफ ऑपरेशन चलाकर अंजाम दिया गया। लेकिन नागरिकों व सुरक्षाबलों की मौतें भी यथावत हैं। आंकड़ें बताते हैं कि ५८८ आतंकी इस अवधि में ढेर कर दिए गए तो इसी अवधि में १७४ सुरक्षाकर्मियों को शहादत देकर इस सफलता को प्राप्त करना पड़ा।

१११ नागरिकों को आतंकियों ने मार डाला

आतंकियों द्वारा नागरिकों को मारने का सिलसिला भी यथावत जारी है। पुलिस दावा करती है कि इस अवधि में कोई भी नागरिक कानून व्यवस्था बनाए रखने की प्रक्रिया के दौरान नहीं मारा गया।

इन तीन सालों में १११ नागरिकों को आतंकियों ने मार डाला। अनुच्छेद ३७० हटाए जाने के बाद आतंकियों के सबसे अधिक निशाने पर प्रवासी नागरिकों के साथ हिंदू भी रहे, जो लगातार जारी है।

पांच अगस्त की बरसी की पूर्व संध्या पर भी आतंकियों ने पुलवामा में ग्रेनेड हमला कर एक बिहार के श्रमिक की जान ले ली थी।

रिजर्व बैंक का फंडा लोन पर पड़ा महंगाई का डंडा!

नई दिल्ली, देश के केंद्रीय बैंक भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने द्विमासिक मौद्रिक नीति समिति की बैठक के फैसलों का एलान कर दिया है। आरबीआई ने रेपो रेट में ०.५० बेसिस पॉइंट का इजाफा कर दिया है और इसे बढ़ाकर ५.४० फीसदी कर दिया है। इसका अर्थ है कि आपकी ईएमआई इसके चलते काफी बढ़ने वाली है। रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा कि वित्त वर्ष २०२३ में देश की आर्थिक विकास दर यानी जीडीपी के अनुमान को ७.२ फीसदी पर बरकरार रहने का अनुमान है। वहीं वित्त वर्ष २०२३ के लिए रिटेल महंगाई दर का अनुमान ६.७ फीसदी पर बरकरार रखा गया है। शक्तिकांत दास ने कहा कि हमारी अर्थव्यवस्था के तेजी से बढ़ने का अनुमान आईएमएफ से लेकर कई संस्थाओं ने दिया है और ये सबसे तेज रफ्तार से आगे बढ़ेगी।

मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे फिर दिल्ली दरबार में महाराष्ट्र में कैबिनेट का गुजरात पैटर्न!

मुंबई, मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे एक बार फिर दिल्ली दरबार में दाखिल होने जा रहे हैं। वे शनिवार और रविवार को दो दिन दिल्ली में रहेंगे। उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस भी दिल्ली में ठहरे हुए हैं। इन दोनों के लगातार दिल्ली की उड़ानें भरने के बावजूद राज्य मंत्रिमंडल का विस्तार नहीं हो रहा है लेकिन अब समझा जा रहा है कि नई सरकार में दिग्गजों को दूर रखते हुए गुजरात पैटर्न को महाराष्ट्र में लागू किया जाएगा। 'आजादी के अमृत महोत्सव' के मौके पर शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी में दिल्ली में होनेवाली बैठक में मुख्यमंत्री शामिल होंगे। रविवार को नीति आयोग की बैठक है। इस बैठक में मुख्यमंत्री शिरकत करेंगे। संभावना है कि इस दो दिवसीय आधिकारिक यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री दोनों भाजपा के वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात करेंगे। राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी भी शनिवार को दिल्ली में हैं। इस पृष्ठभूमि को देखते हुए संभावना जताई जा रही है कि कैबिनेट के विस्तार पर चर्चा हो सकती है। क्योंकि राज्य में नई सरकार को बने एक महीने से अधिक हो गया है लेकिन भाजपा और शिंदे गुट के विधायकों के अहम विभागों को पाने की जोर देने के कारण कैबिनेट का विस्तार रुका हुआ है। इन सबके समाधान के तौर पर नए चेहरों को मौका देनेवाला गुजरात पैटर्न महाराष्ट्र में लागू होने की संभावना है। ऐसे में संभावना जताई जा रही है कि नई कैबिनेट में नए चेहरों को मौका दिया जाएगा। इस कैबिनेट में शामिल होने के लिए भाजपा के कई पूर्व मंत्री फील्डिंग लगा रहे हैं। लेकिन अगर गुजरात फॉर्मूला लागू हो जाता है तो पुराने लोगों को दूर रखा जा सकता है। इसलिए कहा जा रहा है कि देवेंद्र फडणवीस अपने करीबी विधायकों के मंत्री पद को बचाने की दिल्ली दरबार में कोशिश कर रहे हैं।

दिल्ली के दमन को चुनौती! कांग्रेस ने किया यलगार

विपक्ष को खत्म करने का लगाया केंद्र पर आरोप

नई दिल्ली, नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली भारतीय जनता पार्टी की सरकार लगातार चुनाव जीतने से अति उत्साहित हो गई है। जनादेश को मनमानी का अधिकार मान चुकी भाजपाई सरकार निरंकुश होकर सत्ता का दुरुपयोग कर रही हैं। भाजपा के लोग विरोधियों के साथ-साथ अपने सहयोगियों को भी नहीं बख्श रहे हैं। वेंâद्रीय एजेंसियों को मोहरा बनाकर विरोधियों, सहयोगियों एवं पार्टी के अपने प्रतिद्वंद्वियों को तोड़ने, झुकाने अन्यथा खत्म करने के लिए भाजपाई किसी भी हद तक गिरने में भी संकोच नहीं कर रहे हैं। दूसरी तरफ जनता भी भाजपा को सत्ता के शिखर तक पहुंचाने की सजा भुगत रही है। भाजपा की गलत नीतियों के कारण लगातार मंहगाई बढ़ती जा रही है। कभी पेट्रोल, कभी डीजल, तो कभी सीएनजी, पीएनजी व रसोई गैस के दाम बढ़ने से लोग पहले ही बेजार हो चुके हैं। उस पर जीएसटी की नई दरें कोढ़ में खाज का काम कर रही है। भाजपा की इस दमनशाही को चुनौती देने के लिए कांग्रेस ने यलगार का एलान कर दिया है। कल मुंबई से दिल्ली सहित पूरे देश में कांग्रेसियों ने केंद्र की मोदी सरकार के खिलाफ उग्र विरोध प्रदर्शन किया।

कांग्रेस ने महंगाई, जीएसटी और वेंâद्र सरकार की नीतियों के खिलाफ शुक्रवार को सुबह से ही संसद से सड़क तक प्रदर्शन किया। संसद में सोनिया गांधी सहित काले कपड़े पहने कांग्रेसी सांसदों ने नारेबाजी करते हुए विरोध प्रदर्शन शुरू किया। उसके बाद राहुल संसद से राष्ट्रपति भवन तक मार्च निकालने के लिए निकले। राहुल गांधी के साथ काले कपड़े पहने कांग्रेस सांसद और अन्य नेता प्रदर्शन करने निकले, लेकिन पुलिस ने उन्हें रोक दिया और हिरासत में ले लिया। कांग्रेस के कार्यकर्ताओं की बड़ी संख्या को देखकर अकबर रोड पर भारी सुरक्षा व्यवस्था की गई। पुलिस ने तीन लेयर में जवानों को तैनात किया। किसी भी कार्यकर्ता को अंदर नहीं जाने दिया गया।

उसके बाद पार्टी मुख्यालय में मौजूद प्रियंका गांधी ने मोर्चा संभाला और वे अपने सांसदों के साथ पीएम आवास घेरने के लिए निकल पड़ीं, लेकिन पुलिस ने उन्हें भी आगे नहीं बढ़ने दिया। प्रियंका के साथ मौजूद कांग्रेसी कार्यकर्ताओं को रोकने के लिए पुलिस ने बैरिकेडिंग की थी। प्रियंका को कांग्रेस मुख्यालय के सामने पुलिस ने रोका, तो प्रियंका गांधी इसे लांघकर आगे बढ़ने की कोशिश करने लगीं। प्रियंका गांधी ने पुलिस वालों से महंगाई का विरोध करके जनता की आवाज उठाना उनका अधिकार है। फिर भी पुलिस ने उन्हें रोक दिया, नतीजतन वे वहीं सड़क पर धरना देने बैठ गयीं। इसके बाद पुलिस ने उन्हें भी हिरासत में ले लिया। प्रदर्शन में शामिल अजय माकन, सचिन पायलट, हरीश रावत, अविनाश पांडे सहित कई बड़े कांग्रेसी नेताओं को पुलिस ने हिरासत में लिया। प्रदर्शन को देखते हुए जंतर-मंतर इलाके को छोड़ पूरी दिल्ली में धारा १४४ लगाई गई थी।

टेरर फंडिंग के लिए बनी दाऊद की स्पेशल यूनिट: हिंदुस्थान को हिलाने की थी तैयारी!

मुंबई, भगोड़ा अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम फिर हिंदुस्थान को हिलाने की तैयारी में था। वो देश में आतंकी घटनाओं को अंजाम देने की फिराक में था। इसके लिए दाऊद ने बाकायदा स्पेशल यूनिट तैयार करके टेरर फंडिंग कर रहा था। साथ ही इस यूनिट के टारगेट पर हिंदुस्थानी नेता भी थे। इसका खुलासा एनआईए के जांच में हुआ है। इस जांच के तहत एनआईए ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दाऊद इब्राहिम के करीबी छोटा शकील के साले को गिरफ्तार किया है।

मिली जानकारी के अनुसार एनआईए ने टेरर फंडिंग मामले में दाऊद के करीबी छोटा शकील के साले सलीम कुरैशी को गिरफ्तार किया है। मई महीने में भी एनआईए ने दाऊद इब्राहिम के सहयोगियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए मुंबई और ठाणे में २० ठिकानों पर छापेमारी की थी। इस दौरान कुरैशी को हिरासत में लेकर कड़ाई से पूछताछ की गई। इसके बाद एनआईए ने दाऊद, छोटा शकील और उनके सहयोगियों के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज किया था। एनआईए द्वारा दर्ज की गई शिकायत के मुताबिक दाऊद इब्राहिम ने हिंदुस्थान पर आतंकवादी हमले की साजिश रचने के साथ ही हमला करने के लिए पाकिस्तान में एक विशेष टीम तैयार किया था।

सभी पक्ष जिम्मेदारी समझें

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने पिछले साल ग्लासगो में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा घोषित पंचामृत रणनीति को उन्नत जलवायु लक्ष्यों में शामिल करते हुए मंजूरी दे दी। इसका मकसद भारत की अक्षय ऊर्जा पर निर्भरता बढ़ाने और साल 2070 तक उसे जीवाश्म आधारित ईंधन से पूरी तरह मुक्त करने के लक्ष्य की ओर आगे बढ़ना है। भारत सरकार का यह कदम वैसे जलवायु परिवर्तन से संबंधित प्रतिबद्धताओं और उससे जुड़े दायित्वों के प्रति उसकी गंभीरता दर्शाता है, लेकिन कुछ हलकों से यह बात भी उठ रही है कि कैबिनेट के इस ताजा कदम में भारत के अपने कमिटमेंट से पीछे खिसकने के संकेत मिल रहे हैं। कहा जा रहा है कि प्रधानमंत्री मोदी द्वारा ग्लासगो के कॉप 26 सत्र में दिए गए पंचामृत सूत्र में पांच प्रतिबद्धताएं घोषित की गई थीं, जबकि मंत्रिमंडल द्वारा मंजूर प्रतिबद्धताओं में दो का ही जिक्र है। ग्लासगो सम्मेलन में प्रधानमंत्री ने जिन पांच प्रतिबद्धताओं की बात कही थी वे हैं- भारत 2030 तक गैर जीवाश्म ईंधन आधारित ऊर्जा

क्षमता को बढ़ाकर 500 गिगावॉट तक कर लेगा, वह अपनी 50 फीसदी ऊर्जा जरूरतें अक्षय ऊर्जा से पूरी करने लगेगा, अभी से 2030 तक के कुल अनुमानित कार्बन उत्सर्जन में एक अरब टन की कमी करेगा, इकॉनमी की कार्बन तीव्रता में 45 फीसदी से अधिक की कमी लाएगा और, 2070 तक नेट जीरो उत्सर्जन का लक्ष्य हासिल कर लेगा। इसके बरक्स बुधवार को कैबिनेट की मंजूरी के बाद जारी किए गए प्रेस वक्तव्य में दो ही प्रतिबद्धताओं का जिक्र है- एक 2030 तक कार्बन उत्सर्जन की तीव्रता जीडीपी के 45 फीसदी तक घटाना और दो, 50 फीसदी जरूरतें अक्षय ऊर्जा से पूरी करना। मगर इन आशंकाओं को तूल देने से पहले कुछ तथ्यों पर विचार कर लेना चाहिए। पहली बात तो यह कि ये प्रतिबद्धताएं 2070 तक भारत को नेट जीरो उत्सर्जन के बड़े लक्ष्य से जुड़ी हुई हैं और इस कैबिनेट के ताजा फैसले के बाद जारी प्रेस वक्तव्य में भी इस लक्ष्य का उल्लेख किया गया है। दूसरी बात यह कि भारत के इन लक्ष्यों के प्रति समर्पण का ज्यादा सटीक परीक्षण इस बात से हो सकता है कि ग्लासगो में प्रधानमंत्री द्वारा की गई घोषणा के बाद से अब तक इस दिशा में कितने कदम उठाए या नहीं उठाए गए हैं। इस बिंदु पर हम देखते हैं कि भारत ने इस अवधि में इलेक्ट्रिक वाहनों और बैटरी मैन्युफैक्चरर्स के लिए प्रोडक्शन-लिंक्ड-इन्सेंटिव्स घोषित करने, एनर्जी यूस से जुड़े कानूनों में संशोधन करने और नैशनल हाइड्रोजन प्लान लाने जैसे कई कदम उठाए हैं। मगर इसके साथ ही यह भी समझना होगा कि इस रास्ते पर भारत इकतरफा ढंग से आगे नहीं बढ़ता रह सकता है। विकसित देशों को भी अपनी प्रतिबद्धताओं के प्रति गंभीरता दिखानी होगी। ग्लासगो सम्मेलन में भी भारत ने साफ किया था कि 2030 तक क्लाइमेट फंडिंग के तहत उसे 1 ट्रिलियन डॉलर की सहायता मिलनी चाहिए। उम्मीद की जाए कि नवंबर में इजिप्ट में होने वाले अगले दौर की जलवायु वार्ता में इस पहलू पर गंभीरता से गौर किया जाएगा।

भारत में नहीं आएगी मंदी

किरीट ए. चावड़ा

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बिल्कुल सही कहा है कि भारत के आर्थिक मंदी में फंसने या स्टैगफ्लेशन (सुस्त ग्रोथ और ऊंची महंगाई दर) का खतरा नहीं है। उन्होंने महंगाई पर लोकसभा में बहस के दौरान सोमवार को यह

बात कही। वित्त मंत्री ने यह भी कहा कि वैश्विक और घरेलू चुनौतियों के बावजूद दुनिया के बड़े देशों में भारतीय अर्थव्यवस्था की रफ्तार सबसे तेज रहेगी। निर्मला ने जिन वैश्विक चुनौतियों का जिक्र किया, उनमें जीडीपी ग्रोथ में कमी, यूक्रेन युद्ध, बेकाबू महंगाई जैसी बातें शामिल हैं। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने इसी वजह से पिछले हफ्ते 2022 में वैश्विक ग्रोथ के अनुमान को इसी साल अप्रैल के पिछले अनुमान से 0.4 फीसदी घटाकर 3.2 फीसदी कर दिया। उसने कहा कि अमेरिका की ग्रोथ 2.6 फीसदी रह सकती है, जबकि चीन की 3.2 फीसदी। ये दोनों दुनिया की सबसे बड़ी इकॉनमी हैं, इसलिए इनमें सुस्ती आने से वैश्विक ग्रोथ पर बुरा असर पड़ेगा। यूं तो आईएमएफ ने वित्त वर्ष 2023 में भारत की ग्रोथ के अनुमान को 8.2 फीसदी से घटाकर 7.4 फीसदी कर दिया, फिर भी यह दूसरे बड़े देशों की तुलना में कहीं तेज ग्रोथ है। वित्त वर्ष 2024 में भी आईएमएफ को भारत की ग्रोथ 6.1 फीसदी रहने की उम्मीद है, जब वैश्विक ग्रोथ कहीं कम होगी। यानी भारत पर मंदी की आंच नहीं आने जा रही, लेकिन उसके सामने दो बड़ी चुनौतियां हैं। पहली, विकसित देशों की तरह भारत भी महंगाई दर में बढ़ोतरी की चुनौती का सामना कर रहा है। लेकिन पिछले महीने इसमें मामूली कमी आई और यह 7 फीसदी के करीब है। अमेरिका में यह चार दशकों के शिखर पर है। इसी वजह से वहां ब्याज दरों में तेज बढ़ोतरी हो रही है। जब भी ऐसा होता है, भारत जैसे इमर्जिंग मार्केट्स से विदेशी निवेशक पैसा निकालते हैं, जिससे इन देशों की करंसी पर दबाव बनता है। रुपया हाल ही में डॉलर के मुकाबले रेकॉर्ड लो लेवल पर चला गया था, लेकिन इधर डॉलर इंडेक्स कमजोर हो रहा है, जिससे रुपये में रिकवरी आई है। डॉलर की निकासी और महंगाई दर को कम करने के लिए भारत में रिजर्व बैंक भी ब्याज दरों में बढ़ोतरी कर रहा है। अच्छी बात यह है कि इधर कुछ दिनों में शेयर बाजार में विदेशी निवेशकों ने खरीदारी शुरू की है। रुपये में रिकवरी और अच्छी जीडीपी ग्रोथ के कारण यह सिलसिला आगे तेज हो सकता है। भारत की दूसरी बड़ी दिक्कत कच्चे तेल की महंगाई है, लेकिन यह भी 100 डॉलर से नीचे आ गया है। तेल की सबसे अधिक खपत अमेरिका और चीन में होती है। अगर वहां की इकॉनमी सुस्त पड़ती हैं तो इससे आने वाले वक्त में कच्चा तेल और सस्ता होगा। जो भारतीय इकॉनमी के लिए राहत की खबर होगी। लेकिन इसके साथ सरकार को कंजम्पशन बढ़ाने पर भी ध्यान देना होगा, जिसमें पिछले कुछ वक्त से कमजोरी बनी हुई है।

मुफ्त की रेवड़ियां बंद करने में बरतें सावधानी

गणेश पाण्डेय

चुनावों के दौरान मतदाताओं से मुफ्त उपहारों के वादे के सवाल पर सुप्रीम कोर्ट ने एक विशेषज्ञ समिति के गठन का फैसला किया है। समिति के गठन के लिए उसने संबंधित सभी पक्षों- जिसमें राजनीतिक पार्टियां, नीति आयोग, वित्त आयोग, रिजर्व बैंक शामिल हैं - से सुझाव मांगे हैं। मुफ्त उपहारों के वादे को आपराधिक करार देने की मांग करने वाली याचिका को लेकर सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई के दौरान जो मुद्दे उठे हैं, वे भारतीय लोकतंत्र के लिए काफी अहम हैं। आगे बढ़ने से पहले एक नजर इस पर डाल लेना उपयोगी होगा कि समय के साथ लोकतंत्र की चुनौतियों में किस तरह के बदलाव आए। भारत में चुनावों के शुरुआती सालों में सबसे बड़ी चिंता यही थी कि समाज के कमजोर तबकों को पोलिंग बूथ तक किस तरह पहुंचाया जाए और बिना भय के मतदान करने के उनके हक को कैसे वास्तविकता में बदला जाए।

मुख्य चुनाव आयुक्त के पद पर टीएन शेषन के आने तक कम से कम हिंदी पट्टी में यह सपना ही था कि गरीब और सामाजिक रूप से कमजोर तबकों के लोग अपनी मर्जी के मुताबिक वोट दे पाएं।

यह स्थिति बाद के सालों में बदल गई, लेकिन चुनावों में धन और बाहुबल का असर कम होने के बदले बढ़ ही गया है।

आपराधिक पृष्ठभूमि के और पैसा पानी की तरह बहाने वालों के चुनाव जीतने के आसार आज पहले के मुकाबले ज्यादा हो गए हैं। बहस कौन करेगा

ऐसी स्थिति में चुनावों के दौरान लोकलुभावन वादे और मुफ्त उपहारों के एलान के मुद्दे को उठाना महत्वपूर्ण है। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस एनवी रमण ने लोकतंत्र की मौजूदा परिस्थिति पर एक गंभीर टिप्पणी की। उन्होंने वकील कपिल सिब्बल से पूछा कि कौन सी राजनीतिक पार्टी संसद में इस पर बहस के लिए वहां होगी। चीफ जस्टिस रमण का कहना था कि मुफ्त उपहारों का विरोध कोई भी राजनीतिक पार्टी नहीं करेगी। ऊपरी तौर पर यह एक साधारण टिप्पणी लगती है। लेकिन वास्तव में मुख्य न्यायाधीश ने उस निराशा को व्यक्त किया है जो संसद में होने वाली बहस की मौजूदा स्थिति से उपजी है। पिछले कई सालों से संसद में ऐसी कोई बहस याद नहीं आती जिसने देश की दशा-दिशा पर खास असर डाला हो। दलों के दायरे से बाहर जाकर लोकतंत्र के व्यापक मुद्दों पर बहस की उम्मीद ही नहीं दिखाई देती। ऐसे में यह उपयुक्त सवाल है कि क्या पार्टियां मुफ्त उपहारों के सवाल पर बहस करना चाहेंगी जिसे जनहित याचिका दायर करने वाले वकील ने मतदाताओं को रिश्वत करार दिया है और निष्पक्ष चुनाव के खिलाफ माना है?

इस बहस का एक अहम पहलू है मुफ्त उपहारों का वित्तीय पक्ष। जनहित याचिका के पक्ष में खड़े वकील का कहना था कि इससे अर्थव्यवस्था पर बहुत बुरा असर पड़ता है। सार्वजनिक कर्ज में बढ़ोतरी होती है और सरकारी खजाने का घाटा भी बढ़ता है। केंद्र सरकार का पक्ष रखने वाले सॉलिसिटर जनरल ने तो कहा कि लोक-लुभावन वादों पर नियंत्रण नहीं किया गया तो यह देश को आर्थिक बर्बादी की ओर ले जाएगा। मगर सिक्के के दूसरे पहलू की बात करें तो कुछ अहम सवाल सामने आते हैं:

क्या मिड-डे मील, गर्भवती स्त्रियों और वृद्धावस्था पेंशन, लड़कियों को साइकिल और गरीबों को राशन जैसी योजनाओं को मुफ्त उपहार की श्रेणी में डाला जा सकता है? पिछले कुछ समय से अर्थव्यवस्था पर बोझ बताकर कल्याणकारी योजनाओं पर हमले हो रहे हैं। सचाई यह है कि इन योजनाओं पर वास्तविक खर्च कम किया जा चुका है। इन योजनाओं की हालत को लेकर चिंताजनक खबरें भी आती रहती हैं। लेकिन इन पर बहस नहीं हो रही है। प्रधानमंत्री मोदी ने राजनीतिक पार्टियों पर मुफ्त रेवड़ियां बांटने को लेकर पिछले दिनों जो टिप्पणी की और अदालत में सॉलिसिटर जनरल ने जो राय रखी, उससे भी यह आशंका बढ़ती है कि सरकार कल्याणकारी योजनाओं पर खर्च घटाना चाहती है। क्या महंगाई और बेरोजगारी के इस बेहद कठिन दौर में यह कदम लोगों की कठिनाई और नहीं बढ़ाएगा एक सवाल यह भी उठाया जा रहा है कि क्या एक राजनीतिक सवाल का हल ऐसी समिति के जरिए होना चाहिए जिसमें गैर-राजनीतिक रिजर्व बैंक और नीति आयोग जैसी वित्तीय संस्थाएं शामिल हों? जाहिर है इन संस्थाओं के लिए राजकोषीय घाटा और सार्वजनिक कर्ज ही महत्वपूर्ण हैं।

फिर हमारे लोकतंत्र के स्वरूप को प्रभावित करने वाला बड़ा सवाल यह है कि राजनीतिक पार्टियां विकास या लोककल्याणकारी वादों के आधार पर नहीं तो फिर किस नाम पर वोट मांगें? क्या उन्हें भावनात्मक मुद्दों पर ही अपना चुनाव प्रचार केंद्रित करना चाहिए? क्या उन्हें धर्म, जाति, भाषा और क्षेत्रीय अस्मिता के आधार पर वोट मांगना चाहिए जो देश और समाज को विभाजित करता है? मीडिया की नजर मुफ्त उपहारों के मुद्दे पर टिके रहने की वजह से आदर्श आचार संहिता और चुनाव आयोग की भूमिका आदि को लेकर अदालत की टिप्पणियों पर उसका ध्यान नहीं गया। चुनाव आयोग ने पहले तो इस मुद्दे पर हस्तक्षेप करने से मना कर दिया, लेकिन सुप्रीम कोर्ट के कहने पर उसने यह राय रखी कि इसे आदर्श आचार संहिता में शामिल कर दिया जाए। अदालत ने इस बारे में टिप्पणी की, 'ये खोखली औपचारिकताएं हैं। ये कब लागू होंगी? चुनाव के ठीक पहले। पूरे चार साल आप कुछ करें और अंत में एक आदर्श आचार संहिता जोड़ दें।'

आयोग की स्थिति का अंदाजा इसी से होता है कि चुनाव में धनबल के इस्तेमाल या भावनाएं भड़काने वाली भाषा पर रोक लगाने में यह अभी तक सक्षम नहीं हो पाया है।

तिरंगे में छुपा स्वतंत्रता का असली मंत्र

भूपेन्द्र पटेल

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नागरिकों का आह्वान किया है कि भारतीय स्वाधीनता के अमृतमहोत्सव (स्वाधीनता का 75वां वर्ष) को हम स्मरणीय बनाएं। इसके लिए उन्होंने कहा कि 2 अगस्त से 15 अगस्त तक हम हमारे स्वाभिमान और स्वतंत्रता के प्रतीक हमारा राष्ट्र ध्वज अपने घरों में सम्मान पूर्वक फहराएं। किसी भी राष्ट्र का ध्वज उस राष्ट्र की संप्रभुता के प्रतीक होता है। "2 अगस्त से"....के पीछे भी एक उद्देश्य है। महात्मा गांधी जी को ध्वज का विचार देने वाले और तिरंगा ध्वज बनाने वाले पिंगली वेंकैया के योगदान को स्मरण करना भी है। पिंगली वेंकैया का जन्म 2 अगस्त 1876, को आंध्र प्रदेश के मछलीपट्टनम के निकट भटलापेनुमारु नामक गाँव में हुआ था। अपनी युवावस्था में पिंगली वेंकैया सरकारी, गैर सरकारी नौकरी भी किये। बाद में गांधी जी से जुड़ गए। 1921 में उन्होंने जो ध्वज बनाया था वह लाल और हरा था। इस बीच कई सुझाव मिले। 1931 में कोंग्रेस के कराची अधिवेशन में जो तिरंगा फहराया गया वह केसरिया, सफेद और हरे रंग का था। शुरू में तिरंगे के बीच मे चरखा बनाया गया। संविधान सभा ने सम्राट अशोक के सारनाथ स्तूप पर बने धम्म चक्र को राष्ट्रध्वज के मध्य में स्थापित करवाया। इस ध्वज को भारत की संविधान सभा नें राष्ट्रीय संप्रभुता के प्रतीक के रूप में 22 जुलाई 1947 को स्वीकार किया। 15 अगस्त 1947 को जब सत्ता हस्तांतरण हुई तब तिरंगे को पहलीबार फहराया गया। सही तथ्य यह भी है तिरंगे में चार रंग है।

यह तिरंगा हमारे स्वाभिमान और स्वाधीनता (Independence) की पहचान है। इसकी रक्षा और सम्मान करना हम सब का कर्तव्य है। हम केवल यह न कहें कि हम राष्ट्रीय प्रतीकों का मन से सम्मान करते हैं। भाव से भावना का प्रकट होना, दिखाई देना एक प्रमाणिकता भी है। इस देश में कुछ लोग ऐसे भी हैं जो राष्ट्रध्वज का सम्मान नही करते। पिछले दिनों एक वीडियो वायरल हुआ जिसमें कुछ राष्ट्रद्रोही लोग तिरंगे के ऊपर जूतों सहित चल रहे थे। कुछ लोग हैं जो राष्ट्रगान और राष्ट्रगीत को सम्मान नही देना चाहते हैं। न ध्वजारोहण के समय सावधान मुद्रा में होते न राष्ट्रगान गाते हैं। इसके लिए वे इस हद्द तक कुतर्क कर बैठते हैं कि ऐसा कहाँ लिखा है? भारत की मूल भावना है- मातृभूमि पुत्रोहम पृथिव्याः। यह भूमि मेरी माता है और मैं इसका पुत्र हूँ। हम इस भूमि को उसी तरह प्यार और सम्मान दें जैसे हम जन्मदायिनी माता को देते हैं। एक देश के नागरिक होने के नाते इसके प्रति हमारा विचार, विश्वास और सम्मान एक जैसा हो। हमें स्वाधीनता मिली लेकिन हम इसे स्वतंत्रता (freedom) में स्थापित नही कर सके। कुछ लोगों ने सत्ता को डकैती का संवैधानिक मार्ग बना दिया। एक एक चेहरे पर विचार करें। कुछ न समझ आये तो कोलकत्ता के एक कमरे में गोबर की ढेर जैसे नोटों को आपने मीडिया में देख लिया हो, यह सत्य निष्ठा की शपथ का एक उदाहरण है। शपथ ग्रहण समारोह के बाद राष्ट्र विरोधी गतिविधियों में लग जाते हैं। 1947 से अब तक के जितने भी घोटाले हुए वे सब उन धूर्त राजनेताओं के कारण हुए जिन्होंने कभी ईश्वर के नाम पर तो कभी संविधान के नाम पर सत्य निष्ठा की कसमें खाई। जिस देश के राजनेता, राजनयिक, उपराष्ट्रपति, नौकरशाह भ्रष्ट, घूसखोर, बदमाश, अनैतिक और धूर्त हों उस देश को भगवान भी पतन होने से नही बचा सकता।

स्वाधीनता प्राप्ति के बाद से भारत में अनेक लोगों ने इसे बर्बाद करने के लिए NGO स्थापित किये। उन NGO के मार्फत अनेक मिशनरीज की ओर से अपार धन इस देश मे आया। लोगों ने इस धन का उपयोग अपने निजी धंधों में भी लगाया और राष्ट्रद्रोही कामों में भी। उदाहरण के तौर पर ऑक्सफेम, मिशनरीज ऑफ चैरिटी, फोर्ड फाउंडेशन, एमिनिटी इंटरनेशनल आदि। इन संस्थाओं ने सेकुलरिज्म के नाम पर वामपंथ को पनपाया। इन वामपंथी लोगों ने नक्सलवाद को बढ़ाया। धार्मिक विद्वेष को बढ़ावा देने के लिए लोगों को उकसाया। बॉलीवुड के धूर्त जोकरों ने सनातन संस्कृति का उपहास उड़ाकर भारतीयों में हीं भावना विकसित की। जिन लोगों को भारत मे डर लगता है उनमें भारत का पूर्व उपराष्ट्रपति हामिद अंसारी भी है। ऐसे लोगों में सत्यमेव जयते (टी वी कार्यक्रम) में आंसू बहानेवाला आमिर खान भी है। दिल्ली का खान मार्केट का दलाल पत्रकार गैंग और रोटी पर बात करने वाले बोटी शोषक इन सभी ने सत्ता के माध्यम से अगिनित लाभ उठाएं और जै जैकार करते हुए सत्य को उद्घाटित नही होने दिया। आज ऐसे अनेक लोग प्रवर्तन निदेशालय की वक्रदृष्टि के भाजन बने हुए हैं। विगत 75 वर्षों में भारत अपने नागरिकों की मूलभूत आवश्यकताओं को पूरी नही कर सका। क्योंकि हम स्वाधीन तो हो गए। 60 देशों के संविधान पढ़कर एक महान संविधान बनाया जिसमें भारत के राष्ट्रीय चिंतन, राष्ट्रीय भावना, राष्ट्रीय संस्कृति और भारतीय जीवन परंपरा नदारद है। वर्तमान में जब हम स्वाधीनता के अमृतमहोत्सव मना रहे हैं घर घर तिरंगा अभियान के माध्यम से कुछ लोग तो जागेंगे। हम विचार करें कि भारत का जीवन दर्शन क्या है? तिरंगे के रंगों को ठीक ढंग से देखेंगे तो भारतीय स्वतंत्रता का असली मंत्र नजर आएगा टैब य्या भी समझ आ जाना चाहिए कि बिना डंडे का झंडा हवा में स्वाभिमान रूप में फहराता नही है।

'शिवसेना' पर फिलहाल फैसला न करें चुनाव आयोग : सुप्रीम कोर्ट

सुप्रीम कोर्ट में अगली सुनवाई 8 अगस्त को

राज्य में सत्ता संघर्ष जारी है। आज पूरे राज्य का ध्यान सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई पर था, यह सुनवाई 8 अगस्त सोमवार को फिर से होगी। इस बीच सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया है कि अगर सुप्रीम कोर्ट का फैसला नहीं आता है तो चुनाव आयोग को कोई कार्रवाई नहीं करनी चाहिए। साथ ही सोमवार की सुनवाई के दौरान कोर्ट तय करेगी कि मामले को बड़ी बेंच को रेफर किया जाए या नहीं। आज की सुनवाई में भी दोनों पक्षों के वकीलों की ओर से जोरदार बहस हुई। शिंदे समूह की ओर से हरीश साळवे ने तर्क दिया कि शिंदे समूह ने पार्टी नहीं छोड़ी है। शिवसेना के कपिल सिब्बल ने पलटवार करते हुए कहा कि शिंदे समूह ने पार्टी नहीं छोड़ी तो वे चुनाव आयोग के पास क्यों गए। अब इसपर आगेकी सुनवाई 8 अगस्त सोमवार को फिर से होगी। नयी दिल्ली, उच्चतम न्यायालय ने गुरुवार को चुनाव आयोग से कहा कि वह महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की उस याचिका पर फिलहाल विचार न करें, जिसमें उन्होंने अपने समूह को असली शिवसेना का प्रतिनिधित्व करने का दावा किया है। मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति एन. वी. रमना और न्यायमूर्ति कृष्ण मुरारी और न्यायमूर्ति हिमा कोहली की पीठ ने अपने मौखिक आदेश में पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे खेमे को राहत देते हुए भारत के चुनाव आयोग से शिंदे समूह द्वारा असली शिवसेना पार्टी के रूप में मान्यता देने के दावे पर कोई प्रारंभिक कार्रवाई नहीं करने को कहा।

शिंदे गुट ने बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) चुनावों से पहले असली शिवसेना (Shiv Sena) के रूप में अपनी पहचान के लिए चुनाव आयोग का दरवाजा खटखटाया था। ठाकरे खेमे की ओर से शीर्ष अदालत में याचिका दायर करके चुनाव आयोग की कार्यवाही पर तत्काल रोक लगाने की गुहार लगाई गई थी। शीर्ष अदालत ने ठाकरे समूह की याचिका पर विचार के बाद चुनाव आयोग से कहा कि अगर ठाकरे समूह शिंदे गुट की याचिका पर अपने नोटिस पर जवाब दाखिल करने के लिए समय मांगता है, तो उसे इस संदर्भ में अदालत द्वारा व्यक्त विचारों को ध्यान में रखते हुए उनके अनुरोध पर विचार करना चाहिए। न्यायमूर्ति रमना की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय पीठ ने कहा कि वह सोमवार तक फैसला करेगी कि शिंदे समूह के विद्रोह और उसके बाद के घटनाक्रम से जुड़े महाराष्ट्र के राजनीतिक परिदृश्य से जुड़े संवैधानिक महत्व के सवालों को बड़ी पीठ के पास भेजा जाए या नहीं।

ईडी ने संजय राउत की पत्नी वर्षा को किया तलब

पात्रा चॉल केस से बढ़ी मुसीबत

मुंबई: प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने पात्रा चॉल जमीन मनी लॉन्ड्रिंग मामले में संजय राउत की पत्नी वर्षा राउत (ED Summons Varsha Raut) को तलब किया है। वर्षा राउत के खाते में लेन-देन के बाद जारी हुआ समन। उधर, मुंबई की एक विशेष अदालत ने गुरुवार को शिवसेना सांसद संजय राउत की प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की हिरासत आठ अगस्त तक चार दिन के लिए बढ़ा दी। कथित मनी लॉन्ड्रिंग मामले में सोमवार तड़के गिरफ्तार किए गए राउत को चार अगस्त तक ईडी की हिरासत में भेज दिया गया और आज दोपहर विशेष पीएमएलए अदालत में पेश किया गया। भांडुप के एक स्कूल में टीचर हैं वर्षा राउत भांडुप के एक स्कूल में शिक्षिका के नौकरी करने वाली वर्षा राउत की शादी संजय राउत के साथ साल 1993 में हुई थी। वर्षा राउत का राजनीति से तो कोई लेना देना नहीं है। हालांकि वह फिल्म निर्माण के कार्य से जुड़ी हुई हैं और उनकी हालिया फिल्म 'ठाकरे' थी।

विदिता और पूर्वांशी नाम की दो बेटियों के माता-पिता हैं संजय और वर्षा राउत। वर्षा राउत बिजनेस में भी हैं एक्टिव वर्षा राउत, पति संजय राउत और दोनों बेटियों के साथ बिजनेस में भी सक्रिय हैं। भांडुप की फ्रेंड्स कॉलोनी स्थित बंगले में राउत परिवार रहता है। संजय राउत द्वारा चुनावी एफिडेविट में बताई गई जानकारियों के अनुसार वर्षा राउत तीन कंपनियों में पाटनर हैं। रायटर एंटरटेनमेंट एलएलपी, सनातन मोटर्स प्राइवेट लिमिटेड और सिद्धांत सिस्कोन प्राइवेट लिमिटेड में पार्टनर हैं। रायटर ने ही ठाकरे फ़िल्म का निर्माण किया था। साल 2014- 15 में एफिडेविट के मुताबिक वर्षा राउत की आमदनी 13,15,254 थी। पहले भी मिला है ईडी का नोटिसपेशे से स्कूल टीचर वर्षा राउत चर्चा में तब आई जब उन्हें ईडी ने पंजाब एंड महाराष्ट्र को ऑपरेटिव बैंक घोटाला मामले में पूछताछ के लिए नोटिस भेजा था।

कैबिनेट विस्तार की चर्चा के बीच फडणवीस पहुंचे दिल्ली

नई दिल्ली: महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस (Devendra Fadnavis) राज्य मंत्रिमंडल के विस्तार में देरी की अटकलों के बीच गुरुवार को दिल्ली पहुंचे। फडणवीस के राज्य में राजनीतिक स्थिति पर चर्चा करने के लिए गृह मंत्री अमित शाह और भारतीय जनता पार्टी (BJP) प्रमुख जे. पी. नड्डा सहित पार्टी के शीर्ष नेताओं से मिलने की उम्मीद है। इस बीच महाराष्ट्र में सरकार बदलने के संबंध में सुप्रीम कोर्ट में याचिकाओं पर सुनवाई जारी रही। उधर, फडणवीस के दिल्ली जाने को लेकर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (NCP) ने हमला बोला है।

विशेष अदालत : संजय राऊत की 8 अगस्त तक ईडी हिरासत बढ़ी

मुंबई। विशेष अदालत ने पत्रा चाल घोटाले से जुड़े मनी लांड्रिंग मामले में आरोपी शिवसेना सांसद संजय राऊत की प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की हिरासत अवधि को आठ अगस्त तक बढ़ा दिया है। आरोपी राऊत की हिरासत अवधि बढ़ाते हुए कोर्ट ने कहा कि ईडी ने जांच में उल्लेखनीय प्रगति की है। इससे पहले राऊत ने कहा कि ईडी ने उन्हें जिस कमरे में रखा है, वहां खिड़की नहीं है। इसलिए वहां वेंटिलेशन की दिक्कत है। इस पर जब न्यायाधीश ने ईडी से सवाल किया, तो ईडी की ओर से पैरवी कर रहे विशेष सरकारी वकील हितेन वेणेगांवकर ने कहा कि हमने आरोपी को वातानुकुलित कमरे में रखा है। फिर भी यदि आरोपी को कमरे में खिड़कियां चाहिए, तो हम आरोपी को ऐसे कमरे में रखेंगे जहां खिड़कियां हो। ईडी ने राऊत को एक अगस्त को गिरफ्तार किया था। इसके बाद उन्हें कोर्ट में पेश किया गया था। कोर्ट ने राऊत को 4 अगस्त तक के लिए ईडी की हिरासत में भेज दिया था। क्योंकि यह हिरासत अवधि गुरुवार को खत्म हो रही थी। इसलिए राऊत को दोबारा विशेष न्यायाधीश एमजी देशपांडे के सामने पेश किया गया। इस दौरान ईडी की ओर से पैरवी कर रहे विशेष सरकारी वकील हितने वेणेगांवकर ने कहा कि हमें मामले की जांच के दौरान दो ट्रांजेक्शन की जानकारी मिली है, जो की साढ़े तीन करोड रुपए की मनी ट्रेल को दर्शाते हैं। इस ट्रांजेक्शन की जानकारी के लिए हमने बैंक से दस्तावेज मंगाए हैं। इसके अलावा हमने पैसे के लेन देन से जुड़े लोगों को भी पूछताछ के लिए बुलाया गया है। इसलिए आगे की जांच के लिए आरोपी की हिरासत की अवधि को बढ़ाया जाए। वहीं राऊत की ओर से पैरवी कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता मनोज मोहिते ने कहा कि इस मामले की जांच पूरी हो चुकी है। आरोपी (राऊत) का बयान दर्ज किया जा चुका है। अब इस मामले में जांच की जरुरत नहीं है। यह सारा मामला राजनीति से प्रेरित है। इसलिए अब आरोपी को और हिरासत में भेजने की जरुरत नहीं है।

पालघर से 1400 करोड़ की ड्रग्स बरामद

महाराष्ट्र क्राइम ब्रांच की एंटी-नारकोटिक्स सेल, वर्ली यूनिट ने पालघर जिले के नालासोपारा में दवा बनाने वाली कंपनी पर छापेमारी की है। इस दौरान 1400 करोड़ रुपए कीमत की 700 किलो से ज्यादा मेफेड्रोन (ड्रग्स) जब्त की गई। मामले में 5 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। इनमें 4 आरोपी मुंबई से जबकि एक व्यक्ति को नालासोपारा में पकड़ा गया। सीसीपी (ANC) दत्ता नालवाड़े ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि 52 साल के मुख्य आरोपी के पास ऑर्गेनिक केमिस्ट्री में पोस्ट-ग्रेजुएट की डिग्री है। उसने ड्रग्स बनाने के फॉर्मूले का ईजाद कर लिया था और खुद ही ड्रग्स बनाता था। ये ड्रग्स हाई क्वालिटी की होती थी। आरोपी 25 किलो से कम नशीली दवा नहीं बेचता था। ड्रग्स की सप्लाई के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल करते थे। पिछले कुछ महीने की सबसे बड़ी खेप बरामद एक अफसर ने बताया कि हमे यूनिट में प्रतिबंधित दवा की सूचना मिली थी, जिसके बाद छापेमारी की गई। उस

दौरान वहां प्रतिबंधित दवा मेफेड्रोन बनाए जाने की बात सामने आई। अफसर के मुताबिक, यह हाल के दिनों में मादक पदार्थों की सबसे बड़ी बरामदगी में से एक है। मेफेड्रोन को 'म्याऊ म्याऊ' या एमडी भी कहा जाता है। यह राष्ट्रीय नार्कोटिक्स ड्रग्स एंड साइकोट्रॉपिक सब्सटांसेस (NDPS) ऐक्ट के तहत प्रतिबंधित है। नवी मुंबई में 362 करोड़ की हिरोइन जब्त इससे पहले नवी मुंबई के क्राइम ब्रांच की टीम ने 15 जुलाई को करोड़ों रुपए की हेरोइन जब्त की थी। अंतर्राष्ट्रीय मार्केट में इस हेरोइन की कीमत 362.5 करोड़ रुपए आंकी गई थी। ड्रग्स की खेप को लेकर एक कंटेनर दुबई से नवी मुंबई के न्हावाशेवा पोर्ट में लाया गया था। क्राइम ब्रांच को इस बात की गुप्त जानकारी मिल गई थी कि यह कंटेनर नवकार लॉजिस्टिक्स के पनवेल के पास आजिवली गांव का है। क्राइम ब्रांच की टीम ने यह खुलासा किया था कि जो हेरोइन की खेप बरामद हुई, वो एक अंतर्राष्ट्रीय ड्रग्स रैकेट के नेटवर्क के सप्लाई चेन का एक हिस्सा है। इस पूरे रैकेट के नेटवर्क से न सिर्फ देश के कई इलाकों में लोग जुड़े हैं बल्कि यह रैकेट दुनिया के अन्य देशों में भी फैला हुआ है।

घर छोड़ने के बहाने महिला का अपहरण कर सामूहिक दुष्कर्म

भंडारा. गुस्से में घर से मायके जाने के लिए अकेली निकली महिला को घर छोड़ देने के बहाने कार सवार व्यक्ति ने अत्याचार किया। उसके बाद महिला को जंगल में छोड़ दिया। इसके बाद भंडारा तहसील के कन्हालमोह के धर्मा ढाबे पर महिला को घर छोड़ने के बहाने उसे दोपहिया से खेत में ले जाकर अत्याचार किया। इस मामले में कारधा पुलिस ने दो संदिग्धों को गिरफ्तार कर उन्हें गोंदिया जिले के गोरेगांव की हिरासत में दिया है। उधर पीड़ित महिला की स्थिति अब खतरे से बाहर होकर उस पर नागपुर के अस्पताल में इलाज चल रहा है। जिले की महिला 30 जुलाई 2022 को घर में विवाद होने के बाद अकेली ही मायके जाने के लिए निकली, लेकिन वह एक के बाद एक बदमाशों का शिकार होती गई। गोरेगांव निवासी श्रीराम उरकुडे (45) ने उसे घर छोड़ने के बहाने गुमराह कर गोंदिया जिले के मुंडीपार के जंगल में ले जाकर अत्याचार किया। उसे साथ में रखकर 31 जुलाई को फिर से पलसगांव के पास जंगल में अत्याचार किया। घटना के बाद श्रीराम उरकुडे ने पीड़ित महिला को जंगल में उतार दिया। जंगल से भटकते हुए जब महिला लाखनी-भंडारा राष्ट्रीय महामार्ग पर कन्हालमोह के धर्मा ढाबे के पास पहुंची तो वहां भी बदमाशों ने महिला को घर छोड़ कर देने के बहाने दोपहिया से खेत ले जाकर दो लोगों ने अत्याचार किया। इस पूरे प्रकरण में कारधा पुलिस व स्थानीय अपराध शाखा ने मिलकर दो संदिग्धों को हिरासत में लिया है।

अग्निपथ पर कांग्रेस !

महंगाई, जीएसटी, बेरोजगारी और अग्निवीर पर आज भरेगी जेल

प्रदेश के सभी प्रमुख नेता और पदाधिकारी लेंगे भाग

मुंबई, केंद्र की भाजपा सरकार के मनमाने शासन और फैसलों की वजह से महंगाई आसमान छू रही है। वहीं अब मोदी सरकार जीवनावश्यक वस्तुओं पर भी जीएसटी लगाकर आम लोगों को दिवालिया बनाने की कोशिश कर रही है। यह आरोप कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष नाना पटोले ने मोदी सरकार पर लगाया। मोदी सरकार की नीतियों के खिलाफ कांग्रेस अब 'अग्निपथ' पर उतर चुकी है। इसके तहत वह महंगाई, जीएसटी, बेरोजगारी और सेना के लिए लाए गए 'अग्निवीर' जैसी योजना के खिलाफ जेल भरो आंदोलन करेगी। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष नाना पटोले ने कहा कि देश में बेरोजगारी अपने चरम पर है और युवाओं का भविष्य अंधकार में है। केंद्र सरकार की गलत नीतियों की वजह से महंगाई, बेरोजगारी और गिरती अर्थव्यवस्था की समस्या विकराल बनती जा रही है। इसका विरोध करने के लिए आज शुक्रवार, ५ अगस्त को राजभवन का घेराव करने के बाद जेल भरो आंदोलन शुरू किया जाएगा। मीडिया से बात करते हुए कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने आगे कहा कि पेट्रोल, डीजल, एलपीजी गैस, सीएनजी, पीएनजी के दाम दिन-ब-दिन बढ़ते जा रहे हैं। जहां लोग पहले से महंगाई से जूझ रहे हैं वहीं केंद्र सरकार ने अब दूध, दही, पनीर, आटा, तेल, घी समेत जरूरी चीजों पर जीएसटी लगा दिया है। मोदी सरकार ने स्कूली बच्चों को भी जीएसटी से छूट नहीं दी है। स्कूल में बच्चों द्वारा उपयोग में लाई जानेवाली वस्तुओं की आपूर्ति पर भी जीएसटी लगा दिया गया है। अस्पताल में इलाज पर भी जीएसटी देना होगा। नाना पटोले ने कहा कि बेरोजगारी ४५ साल के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई है। २०१४ से २०२२ तक, विभिन्न विभागों में नौकरियों के लिए २२ करोड़ आवेदन प्राप्त हुए, लेकिन केवल ७ लाख उम्मीदवारों को नौकरी दी गई। यह जानकारी केंद्र सरकार ने खुद लोकसभा में दी है। ऐसी भयावह स्थिति में अब बेरोजगार युवाओं के लिए 'अग्निवीर' नामक योजना शुरू की गई है।

इसके तहत सेना में सिर्फ ४ साल की सेवा के बाद उन्हें सेवानिवृत्त कर दिया जाएगा। पटोले ने कहा कि यह देश के युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ है। युवा इस योजना का विरोध कर रहे हैं और कांग्रेस उनके साथ मजबूती से खड़ी है। कांग्रेस पार्टी की मांग है कि केंद्र सरकार इस योजना को तुरंत वापस ले।

नाना पटोले ने कहा कि भारी बारिश के कारण विदर्भ और मराठवाड़ा के किसानों और नागरिकों को भारी नुकसान हुआ है। इन पीड़ितों को तत्काल राहत दी जानी चाहिए और राज्य को ओला दुष्काल घोषित किया जाना चाहिए। उन्होंने महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी द्वारा मुंबई और महाराष्ट्र के अपमान का भी मुद्दा उठाया। पटोले ने कहा कि इससे पहले राज्यपाल ने छत्रपति शिवाजी महाराज, महात्मा ज्योतिबा फुले, सावित्रीबाई फुले के बारे में बोलते हुए कई बार हमारे राज्य की महान विभूतियों का अपमान किया है। उन्होंने कहा कि कोश्यारी ने राज्यपाल के पद की प्रतिष्ठा को धूमिल किया है और उनका भाषण हमेशा भाजपा और आरएसएस की शिक्षाओं को दर्शाता है।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष नाना पटोले के नेतृत्व में शुक्रवार की सुबह ११ बजे मुंबई के हैंगिंग गार्डन से राजभवन तक मार्च निकाला जाएगा। उसके बाद जेल भरो आंदोलन होगा। इस मार्च में प्रदेश के स्थानीय नेता, विधायक, सांसद, पदाधिकारी व कार्यकर्ता बड़ी संख्या में भाग लेंगे। वहीं सभी जिला मुख्यालयों में भी नेता और कार्यकर्ता केंद्र सरकार के खिलाफ आंदोलन करेंगे।

गरबे पर भी जीएसटी ! गुजरात में कॉमर्सियल गरबे पर गदर

वडोदरा, केंद्र में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा की सरकार बनने के बाद से जनता को मिलनेवाली तमाम सरकारी सहुलियतें धीरे-धीरे खत्म होती जा रही हैं। दूसरी तरफ केंद्र सरकार जनता की जेब से पैसे निकालने के लिए नई-नई तरकीबें लगा रही है। १८ जुलाई से लागू की गई जीएसटी की नई दरों में ऐसे ही कई प्रवाधान शामिल हैं। इन्हीं में से एक गै कॉमर्सियल गरबे पर १८ फीसदी जीएसटी का मामला, जिसकी वजह से गुजरात में गदर शुरू हो गया है। पीएम मोदी व गृहमंत्री अमितशाह के नेत्ववाली सरकार द्वारा गरबे पर जीएसटी लगाए जाने से गुजरात की जनता हैरान है तो वहीं गरबे पर जीएसटी के निर्णय को वापस लेने के लिए मोदी सरकार के खिलाफ मांग जोर पकड़ने लगी है। बता दें कि गुजरात में इस बार गरबा को एन्जॉय करना

भी महंगा पड़ने वाला है। क्योंकि, इस साल से गरबा के एंट्री पर भी १८% जीएसटी लगा दिया गया है। 'यूनाइडेट वे ऑफ बड़ौदा' नाम के गरबा आयोजक ने अपनी वेबसाइट पर एंट्री पास की कीमत और जीएसटी को लेकर जानकारी शेयर की।

इसके मुताबिक, ९ दिन के लिए पुरुषों के पास की कीमत ४,८३८ रुपए है, जिसमें ४१०० रुपए एंट्री फीस और १८ फीसदी यानी ७३८ रुपए जीएसटी है। महिलाओं को एंट्री के लिए १२९८ रुपए है, जिसमें १,१०० फीस और १९८ रुपए जीएसटी शामिल है। बिल में जीएसटी के चार्ज को लेकर घमासान शुरू हो गया है। इसे लेकर अब राज्य में जमकर बवाल भी मचा हुआ है। विपक्षी पार्टियां भी इस मुद्दे को लेकर मैदान में हैं और जीएसटी वापस लेने की मांग कर रही हैं।

मानसिक बीमारी, यह क्या है?

मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य समग्र स्वास्थ्य के समान रूप से महत्वपूर्ण घटक हैं। उदाहरण के लिए, अवसाद कई प्रकार की शारीरिक स्वास्थ्य समस्याओं के जोखिम को बढ़ाता है, विशेष रूप से लंबे समय तक चलने वाली स्थिति जैसे मधुमेह, हृदय रोग और स्ट्रोक। इसी तरह, पुरानी स्थितियों की उपस्थिति मानसिक बीमारी के जोखिम को बढ़ा सकती है।

क्या आपका मानसिक स्वास्थ्य समय के साथ बदल सकता है?

हां, यह याद रखना महत्वपूर्ण है कि कई कारकों के आधार पर किसी व्यक्ति का मानसिक स्वास्थ्य समय के साथ बदल सकता है। जब किसी व्यक्ति पर रखी गई मांग उसके संसाधनों और मुकाबला करने की क्षमता से अधिक हो जाती है, तो उसका मानसिक स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। उदाहरण के लिए, यदि कोई लंबे समय तक काम कर रहा है, किसी रिश्तेदार की देखभाल कर रहा है, या आर्थिक कठिनाई का सामना कर रहा है, तो वह खराब मानसिक स्वास्थ्य का अनुभव कर सकता है।

मानसिक बीमारियां कितनी आम हैं?

मानसिक बीमारियां संयुक्त राज्य अमेरिका में सबसे आम स्वास्थ्य स्थितियों में से हैं।

50% से अधिक लोगों को उनके जीवनकाल में किसी न किसी समय मानसिक बीमारी या विकार का निदान किया जाएगा।

5 में से 1 व्यक्ति किसी दिए गए वर्ष में मानसिक बीमारी का अनुभव करेगा।

5 में से 1 बच्चा, या तो वर्तमान में या अपने जीवन के किसी बिंदु पर, गंभीर रूप से दुर्बल करने वाली मानसिक बीमारी से पीड़ित है।

25 में से 1 व्यक्ति गंभीर मानसिक बीमारी के साथ जी रहा है, जैसे कि सिज़ोफ्रेनिया, बाइपोलर डिसऑर्डर या मेजर डिप्रेशन।

मानसिक बीमारी का कारण क्या है?

मानसिक बीमारी का कोई एक कारण नहीं होता है। कई कारक मानसिक बीमारी के जोखिम में योगदान कर सकते हैं, जैसे

प्रारंभिक प्रतिकूल जीवन अनुभव, जैसे आघात या दुर्व्यवहार का इतिहास (उदाहरण के लिए, बाल शोषण, यौन हमला, हिंसा देखना, आदि)

अन्य चल रही (पुरानी) चिकित्सा स्थितियों से संबंधित अनुभव, जैसे कि कैंसर या मधुमेह

मस्तिष्क में जैविक कारक या रासायनिक असंतुलन

शराब या नशीली दवाओं का प्रयोग

अकेलेपन या अलगाव की भावना होना

मानसिक बीमारी एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में भिन्न होती है, स्थिति से स्थिति और परिस्थितियों में बड़े पैमाने पर होती है

मानसिक विकार के प्रकार के अनुसार उपचार अलग-अलग होता है लेकिन इसमें लगभग हमेशा मनोरोग परामर्श शामिल होता है। कभी-कभी दवा भी निर्धारित की जा सकती है।

'तनाव सिर्फ नुकसानदायक नहीं, फायदेमंद भी होता है', जानिए क्यों ऐसा दावा कर रहे हैं शोधकर्ता?

संपूर्ण स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखने का मतलब शरीर के साथ-साथ मन को भी स्वस्थ रखने से है। हालांकि कई कारणों से लोगों में तनाव-चिंता जैसी कई तरह की मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं बढ़ती हुई रिपोर्ट की जा रही हैं। तनाव की समस्या गंभीर स्थितियों में अवसाद का भी कारण बन सकती है, यही कारण है कि विशेषज्ञ सभी लोगों को तनाव से बचने के उपाय करते रहने की सलाह देते हैं। पर क्या आप जानते हैं कि तनाव, हमेशा नुकसानदायक नहीं होता है। यह सुनने में अजीब जरूर लग रहा होगा पर हालिया शोध में विशेषज्ञों ने कुछ स्थितियों में मस्तिष्क के लिए तनाव की स्थिति को लाभकारी भी पाया है। जॉर्जिया विश्वविद्यालय स्थित यूथ डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट के शोधकर्ताओं ने एक हालिया अध्ययन में बताया है कि अपने काम को समय पर पूरा करने को लेकर तनाव की स्थिति वास्तव में आपके दिमाग के लिए अच्छी होती है, भले ही आपको ऐसा लगता है कि यह आपके लिए बड़ा भार है पर वास्तव में इसका मस्तिष्क पर अच्छा प्रभाव हो सकता है। इस तरह के तनाव को शोधकर्ताओं ने अध्ययन में सकारात्मक पाया है। आइए इस शोध के बारे में जानते हैं। तनाव को लेकर अध्ययन में क्या पता चला?

हाल ही में साइकेट्री रिसर्च जर्नल में प्रकाशित अध्ययन में वैज्ञानिकों ने पाया कि हल्के स्तर की तनाव की स्थिति व्यक्ति में कार्य की गुणवत्ता और लचीलेपन को बढ़ाती है। इतना ही नहीं यह अवसाद और असामाजिक व्यवहार जैसे मानसिक स्वास्थ्य विकारों के विकास के जोखिम को कम करने में भी सहायक हो सकती है। हल्के स्तर का तनाव, विशेषकर काम को लेकर होने वाला तनाव आपको भविष्य में आने वाली इस तरह की समस्याओं से मुकाबले के लिए तैयार करती है। इस नजरिए से तनाव की स्थिति को सकारात्मक माना जा सकता है।

क्या कहते हैं शोधकर्ता?

अध्ययन के प्रमुख लेखक असफ ओश्री कहते हैं, यदि आप ऐसे माहौल में हैं जहां पर किसी लक्ष्य को प्राप्त करने को लेकर लोगों में तनाव और तन्मयता है तो ऐसी परिस्थितियां कोपिंग मैकेनिज्म विकसित करने वाली होती हैं। ऐसी स्थितियां आपको समय के साथ काम में अधिक कुशलता प्राप्त करने और प्रभावी बनने में सहायता प्रदान करती है। आज की नकारात्मक परिस्थितियों का सफलता पूर्वक मुकाबला करना आपको भविष्य में आने वाली इसी तरह की दिक्कतों से बेहतर ढंग से मुकाबले में मदद करती हैं। शोधकर्ताओं ने अध्ययन में कुछ प्रकार के तनावपूर्ण स्थितियों का जिक्र किया है जो आपके जीवन पर सकारात्मक प्रभाव डाल सकती हैं। जैसे परीक्षा के लिए अध्ययन करने, किसी बड़ी मीटिंग के लिए तैयारी, कुछ बड़ा प्राप्त करने के लिए लंबे समय तक काम करने के दौरान होने वाली तनाव की स्थिति को सकारात्मक प्रभावों वाला माना जा सकता है। यह सभी संभावित रूप से व्यक्तिगत विकास में मददगार हो सकते हैं। तनाव की इस प्रकार की सकारात्मक स्थितियां भविष्य में चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के लिए वैक्सीन का काम करती हैं। तनाव के

प्रभाव के बारे में जानना जरूरी

हालांकि अध्ययनकर्ताओं की टीम का कहना है कि चूंकि उचित तनाव और बहुत अधिक तनाव के बीच बहुत पतली रेखा होती है, जिसका ख्याल रखना सभी के लिए बहुत आवश्यक है। प्रोफेसर ओश्री ने इसे उदाहरण के साथ समझाया है। वह कहते हैं, यह बिल्कुल उसी तरह से है जैसे कि जब आप कुछ कठिन काम करते रहते हैं तो त्वचा पर थोड़ा रूखापन आ जाता है। कुछ समय के बाद त्वचा उसी की अभ्यस्त हो जाती है, हालांकि अगर आप बिना किसी सावधानी के इस दबाव को बढ़ाते जाते हैं तो इसके कारण त्वचा पर क्षति होने का खतरा भी हो सकता है। तनाव की स्थिति के साथ भी ऐसा ही है। हम सभी को इसकी गंभीरता को समझने की आवश्यकता होती है, बहुत अधिक तनाव मानसिक स्वास्थ्य के लिए नकारात्मक हो सकता है।

अदरक का इस तरह से सेवन हो सकता है काफी गंभीर, कहीं आप भी तो नहीं कर रहे यह गलती?

अदरक कई प्रकार से हमारी सेहत के लिए फायदेमंद औषधियों में से एक माना जाता रहा है। फ्लू जैसे संक्रमण से बचाने से लेकर एंटी-इंफ्लामेटरी और प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूती देने वाले प्रभावों के कारण यह काफी पसंदीदा औषधि रही है। आयुर्वेद और मेडिकल साइंस, दोनों में ही अदरक से होने वाले स्वास्थ्य लाभ का जिक्र मिलता है, पर क्या आप जानते हैं कि कुछ स्थितियों में अदरक का सेवन शरीर के लिए गंभीर समस्याओं का कारण भी बन सकता है? स्वास्थ्य विशेषज्ञों का कहना है कि कुछ स्थितियों में अदरक के दुष्प्रभाव इतने गंभीर तक हो सकते हैं कि यह गर्भपात जैसी समस्याओं का भी कारण बन सकता है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं किसी भी औषधि से लाभ प्राप्त करने के लिए उसके सेवन के तरीके और मात्रा के बारे में सही जानकारी होना बहुत आवश्यक होता है। अदरक जहां संयमित मात्रा में सेहत को लाभ पहुंचाता है वहीं इसकी अधिक मात्रा शरीर के लिए कई प्रकार की गंभीर समस्याओं का भी कारण बन सकती है। यही कारण है कि सभी लोगों को औषधियों का नियत मात्रा में ही सेवन करने की सलाह दी जाती है। आइए जानते हैं कि अधिक मात्रा में अदरक के सेवन के क्या गंभीर दुष्प्रभाव हो सकते हैं?

अदरक के साइड इफेक्ट्स

आहार विशेषज्ञ डॉ आरती सिंह बताती हैं, वैसे तो अदरक सभी के लिए सुरक्षित है और इसके दुष्प्रभावों का जोखिम न के बराबर होता है, हालांकि यदि आप इसका दैनिक रूप से बहुत अधिक सेवन कर रहे हैं तो इसके कुछ संभावित नुकसान जरूर हो सकते हैं। अदरक के शुरुआती साइड-इफेक्ट्स में हार्ट बर्न, दस्त, डकार, और पेट की सामान्य परेशानी हो सकती है, हालांकि यदि आप रोजाना 5 ग्राम से अधिक मात्रा में इसका सेवन कर रहे हैं तो इसके गंभीर साइड-इफेक्ट्स का खतरा बढ़ जाता है। इसमें कई तरह की समस्याएं हो सकती हैं।

गर्भावस्था की समस्याएं

गर्भवती महिलाएं भी अदरक का सेवन कर सकती हैं, यह उनके लिए भी सुरक्षित माना जाता है। हालांकि इस दौरान इसकी मात्रा का ख्याल रखना आवश्यक हो जाता है। कुछ अध्ययनों में पाया गया है कि गर्भावस्था के दौरान अदरक का अधिक सेवन करना शिशु और मां दोनों के लिए नुकसानदायक हो सकता है। इससे रक्तस्राव और कुछ स्थितियों में गर्भपात का खतरा हो सकता है। गर्भावस्था के दौरान अदरक के सेवन को लेकर अपने डॉक्टर से सलाह जरूर ले लें। लो-ब्लड शुगर की समस्या अध्ययनों में पाया गया है कि अदरक में मौजूद यौगिक, ब्लड शुगर के स्तर को बढ़ने से रोकने में मदद करते हैं, पर अगर आप इससे अधिक लाभ पाने के चक्कर में बहुत अधिक मात्रा में अदरक का सेवन कर रहे हैं तो इसके कारण लो ब्लड शुगर की समस्या होने का खतरा रहता है। ब्लड शुगर का स्तर कम होने की स्थिति में चक्कर आने, थकान और बेहोशी जैसे दिक्कत हो सकती है। इसका हमेशा ख्याल रखा जाना चाहिए।

सेहत के लिए बहुत लाभकारी है यह खाद्य पदार्थ, पर ज्यादातर लोग इसके लाभ से रहते हैं अनजान

प्राय: हम सभी के किचन में प्रयोग में लाए जाने वाले ज्यादातर मसाले-खाद्य पदार्थ आयुर्वेद के सिद्धांत पर आधारित होते हैं, विशेषज्ञ इनके सेवन को सेहत के लिए कई प्रकार से लाभकारी मानते हैं। मसालों में प्रयोग में लाई जाने वाली कई औषधियों को गंभीर बीमारियों के इलाज तक में फायदेमंद पाया गया है, पर ज्यादातर लोग इससे होने वाले लाभ से अनजान होते हैं। इस लेख में हम प्याज की बात कर रहे हैं। सब्जियों में तड़का लगाने से लेकर, कच्चा सलाद या अन्य कई प्रकार से भोजन में इस्तेमाल किए जाने वाले प्याज का सेवन करना कई प्रकार से सेहत के लिए फायदेमंद हो सकता है। इतना ही नहीं अध्ययनों में पाया गया है कि प्याज का रोजाना सेवन करना आपमें कई प्रकार की बीमारियों के जोखिम को भी कम करने में मदद कर सकता है।

प्याज में कई प्रकार के विटामिन्स और यौगिक होते हैं जो शरीर के लिए बेहद लाभकारी हो सकते हैं। इसमें पाया जाने वाला कार्बनिक सल्फर यौगिक शारीरिक कार्यप्रणाली के लिए महत्वपूर्ण होता है। कार्बनिक सल्फर यौगिक शरीर में कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करने में भी मदद करता है जिससे हृदय रोग और स्ट्रोक के जोखिम को कम किया जा सकता है। प्याज संभावित रूप से खतरनाक बैक्टीरिया से लड़ सकता है। एस्चेरिचिया कोलाई (ई कोलाई), स्यूडोमोनास एरुगिनोसा, स्टैफिलोकोकस ऑरियस (एस ऑरियस) और बैसिलस सेरेस जैसे बैक्टीरिया के खिलाफ प्याज को प्रभावी पाया गया है। अध्ययनों में पाया गया है कि प्याज में क्वेरसेटिन होता है जो बैक्टीरिया से मुकाबले में विशेष भूमिका निभा सकता है। प्याज का नियमित सेवन आपके लिए लाभकारी हो सकता है। प्याज का सेवन हृदय से संबंधित समस्याओं के जोखिम को कम कर सकता है। प्याज में एंटीऑक्सिडेंट्स और आवश्यक यौगिक होते हैं जो सूजन और ट्राइग्लिसराइड्स के स्तर को कम करते हैं। कोलेस्ट्रॉल के स्तर को नियंत्रित करने में भी प्याज खाने के लाभ हैं, जो हृदय रोग के जोखिम से आपको बचाने में सहायक होता है।

साप्ताहिक राशि भविष्यफल

मेष: मेष राशि वाले जातकों को स्वास्थ्य और रिश्तों को लेकर सजग रहना होगा। इस सप्ताह आपके नेतृत्व को सराहना मिलेगी। आपके द्वारा लिए गए निर्णय सभी मानने को बाध्य होंगे। अविवाहितों के विवाह की बात बनने वाली है। कार्यों को गति देने के लिए किए गए प्रयास सफल होंगे। आर्थिक रूप से मजबूत स्थिति में रहेंगे।

वृषभ : इस सप्ताह भौतिक सुख-सुविधाएं प्राप्त हो सकती है। किसी पारिवारिक मांगलिक प्रसंग में जाने का अवसर आएगा। कठिन परिश्रम का शुभ फल आपको मिलने वाला है। संतान पक्ष के कार्य उत्तम होंगे। आलस्य का त्याग करेंगे तो आगे बढ़ने से कोई नहीं रोक पाएगा। प्रेम संबंधों और दांपत्य सुख के लिए समय अच्छा है।

मिथुन: पारिवारिक समागम में जाने का अवसर आएगा। यह खर्च वाला सप्ताह है, लेकिन खर्च शुभ कार्यों में ही होगा। नया बिजनेस प्रारंभ करने का समय है। नौकरी में बदलाव करना चाहते हैं तो शुभ रहेगा। आर्थिक मजबूती बढ़ेगी। निवेश के लिए भी सप्ताह शुभ है। सप्ताह के अंत में आंतरिक ऊर्जा में कमी महसूस करेंगे। खानपान का ध्यान रखें।

कर्क: काम और परिवार के बीच तालमेल बिठाकर रखें। युवाओं को अपने प्रेम में पारदर्शिता रखना होगी। अपने और परिवार के किसी बुजुर्ग व्यक्ति के स्वास्थ्य पर नजर रखें। नए लोगों से संपर्क बनेगा। अपने बिजनेस को आगे बढ़ाने के लिए दूसरों का सहयोग लेना पड़ेगा। आर्थिक मामलों में भरोसेमंद लोगों की सलाह मायने रखेगी।

सिंह: महिलाओं की धार्मिक-आध्यात्मिक प्रवृत्ति जागृत होगी। सेहत पर ध्यान रखें, बाहरी खानपान करते वक्त और लोगों से मिलते-जुलते समय संक्रामक रोगों का खतरा हो सकता है। अविवाहितों को विवाह का प्रस्ताव आएगा। नौकरीपेशा लोगों को तरक्की के अवसर मिलेंगे। कारोबारियों को लाभ के अवसर प्राप्त होंगे।

कन्या: किसी से व्यर्थ का विवाद होने के कारण मानसिक कष्ट होगा। शारीरिक रूप से भी थोड़े परेशान रह सकते हैं। अपने क्रोध और वाणी पर संयम रखें, वरना नुकसान आपका ही होगा। नौकरीपेशा लोगों को अधीनस्थों से असहयोग रहेगा। इस कारण अपना बेस्ट नहीं दे पाएंगे। व्यापार-व्यवसाय भी सामान्य रहेगा।

तुला: नए कार्य-व्यवसाय के लिए समय उत्तम है। पुरानी ठप पड़ी योजनाओं को फिर से जीवित करें, लाभ होगा। नौकरीपेशा लोगों का स्थानांतरण हो सकता है। प्रतिस्पर्धियों से सतर्क रहने की जरूरत है। धन संबंधी मामलों के लिए सप्ताह ठीक रहेगा। पुराने निवेश से लाभ होगा। उधार दिया हुआ और फंसा हुआ पैसा लौट आएगा।

वृश्चिक: इस सप्ताह आपको नए प्रेम संबंध भी प्राप्त हो सकते हैं। व्यापारियों के लिए पुराने समय से चली आ रही चुनौतियां दूर हो जाएंगी और अपने काम में नयापन लाने में कामयाब होंगे। नौकरीपेशा को च्चाधिकारियों से अनबन हो सकती है। अत्यधिक तनाव लेने के कारण शारीरिक रोग भी आ सकते हैं। बीमारियों पर खर्च बढ़ने की संभावना है।

धनु :नया बिजनेस, नई नौकरी, प्रेम प्रस्ताव सब दे डालिए। सुख-सुविधाओं में वृद्धि होने वाली है। पारिवारिक जीवन में चल रहे विवादों का निपटारा होगा। चिकित्सा और इंजीनियरिंग फील्ड से जुड़े लोगों को उपलब्धि हासिल होगी। दांपत्य जीवन भी सुखद रहेगा।

मकर: अत्यधिक भागदौड़ का विपरीत असर स्वास्थ्य पर पड़ सकता है। लंबे समय से जो काम अटके हुए हैं वे इस सप्ताह पूरे हो जाएंगे। आर्थिक लाभ का समय है। किसी विशेष कार्य से पैसा कमाने का अवसर आएगा। प्रेम संबंध प्राप्त होगा या जो संबंध पहले से चल रहा है उसमें गर्माहट आएगी।

कुंभ :अपने संबंधों में दिमाग की बजाय दिल से काम लेंगे तो अच्छा रहेगा। आर्थिक स्थिति मजबूत बनेगी। स्वास्थ्य में सुधार आएगा। बीमारियों पर हो रहे खर्च में कमी आएगी। खासकर बुजुर्गों को लंबे समय से जो परेशानी बनी हुई है वह दूर हो जाएगी। विवाह प्रस्ताव मंजूर होगा। आय के साधनों में उत्तरोत्तर वृद्धि की संभावना है।

मीन :कार्य की अधिकता के कारण थकान का अनुभव करेंगे। आंतरिक ऊर्जा बढ़ाने के लिए योग, मेडिटेशन जरूर करें। इस सप्ताह आपको अपने क्रोध और वाणी पर संयम रखना होगा वरना रिश्ते खराब कर बैठेंगे। नौकरीपेशा लोगों को तरक्की मिलेगी। नए कार्य व्यवसाय की शुरुआत के लिए समय ठीक है।

चुटकुले

एक महिला अपनी सहेली से- मुझे अपने पति पर शक है, वो छिप-छिपकर किसी से मिलते हैं।.
सहेली- तो अब क्या करेगी तू...
.महिला- कल ही उनके पीछे अपना बॉयफ्रेंड लगाती हूं।

ममता बनर्जी ने की पीएम मोदी से मुलाकात, राष्ट्रपति मुर्मू से भी मिल सकती हैं

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात करने के बाद उनके आवास पहुंचीं। इसके बाद ममता बनर्जी और पीएम मोदी के बीच मुलाकात हुई। मुलाकात ऐसे वक्त हो रही है, जब बंगाल में ममता सरकार के पूर्व मंत्री पर ईडी ने शिकंजा कसा हुआ है। दरअसल, ममता बनर्जी गुरुवार दोपहर नई दिल्ली यात्रा पर कोलकाता से रवाना हुईं थी। इसके बाद वे बीते दिन शाम को दिल्ली पहुंचीं। यह दौरा चार दिन तक चलेगा। इस दौरान वे कई वरिष्ठ विपक्षी नेताओं से मिल सकती हैं। ममता आज राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से भी मुलाकात करेंगी।

पीएम मोदी से मुलाकात के दौरान ममता राज्य के बकाया जीएसटी समेत विभिन्न मुद्दों पर चर्चा कर सकती हैं।

सूत्रों के मुताबिक, दिल्ली पहुंचते ही ममता पार्टी के सांसदों से मिलीं और संसद सत्र की पूरी जानकारी ली। उन्होंने साथ ही 2024 आम चुनावों का रोडमैप पर भी चर्चा की। उन्होंने सांसदों से पश्चिम बंगाल के सात नए जिलों के नामों पर भी सुझाव मांगे। उसके बाद सात अगस्त को ममता बनर्जी नीति आयोग की बैठक में हिस्सा लेंगी। सूत्रों के मुताबिक, दिल्ली प्रवास के दौरान ममता विपक्ष के नेताओं से भी मुलाकात करेंगी। ऐसा अनुमान है कि ममता कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी से भी मुलाकात कर सकती हैं। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, टीएमसी प्रमुख शनिवार को संसद के केंद्रीय कक्ष में गैर-कांग्रेसी विपक्षी नेताओं के साथ कुछ राजनीतिक मामलों पर चर्चा कर सकती हैं। बनर्जी के सोमवार को कोलकाता लौटने की उम्मीद है।

फिलीपींस के राष्ट्रपति को मोदी ने किया फोन इस बीच पीएम नरेंद्र मोदी ने आज फिलीपींस के राष्ट्रपति फर्डिनेंड मार्कोस जूनियर से फोन पर बातचीत की।

अभिनेत्री श्रद्धा शर्मा द्वारा नाम को श्रद्धा रानी शर्मा करने से किस्मत उनका साथ देने लगी

मेरे बर्ताव के कारण किसी को कोई तकलीफ हुई है तो सबसे माफी मांगती हूँ।- श्रद्धा रानी शर्मा

ग्लैमरस, सेक्सी व बहुमुखी प्रतिभाशाली अभिनेत्री श्रद्धा शर्मा ने सहारा वन पर 'सुनो हर दिल कुछ कहते हैं', स्टार प्लस पर 'सारथी' व 'हर शाख पेउल्लू बैठा है', लाइफ ओके पर 'कॉमेडी क्लासेस', ज़ी टीवी पर 'नीली छत्रीवाले',' 'बिग बॉस सीजन 5,'इमोशनल अत्याचार' इत्यादि जैसे कई हिट धारावाहिकों में मुख्य भूमिका निभाया और अपनी एक अलग पहचान बनाई,इसके अलावा तीन कन्नड़ फिल्में 'जीवा','जय हो' और 'अन्वेषी' तथा एक तमिल फिल्म 'मैयूम कुंटे' में भी अभिनय किया है। अब इतना करने के बाद अब उन्होंने अपना नाम श्रद्धा शर्मा से श्रद्धा रानी शर्मा कर दिया है।इसके बारे में श्रद्धा कहती है,"एक ज्योतिष के कहने पर ऐसा किया है। मेरा पूरा नाम श्रद्धा रानी शर्मा ही था, लेकिन मैंने शार्ट कार दिया था, लेकिन उनका कहना था कि पूरा नाम लिखेगी तो लक्की होगा,नाम व शोहरत और ज्यादा मिलेगी। और इसके बाद मेरी जीवन की काफी चीजे अच्छी हो गई और मेरे में कॉन्फिडेन्स आया।"

श्रद्धा रानी शर्मा अच्छी अभिनेत्री के साथ साथ अच्छी डांसर भी है, वे भारत के अलावा न्यूयॉर्क,न्यू जर्सी,शिकागो,पेरिस,दुबई,श्रीलंका, सूरीनाम,गुयाना जैसे दुनिया भर में स्टेज शो किया है।

वे ओटीटी प्लेटफार्म के लिए एक सस्पेंस थ्रिलर फिल्म मुख्य नायिका के तौर पर साइन किया है, जिसकी शूटिंग के लिए जल्द हैदराबाद जानेवाली है। शूटिंग के बाद जल्द ही उसकी प्रेसकांफ्रेंस करके निर्माता द्वारा ही बताया जाएगा। वे कहती है,"आजकल सब्जेक्ट सोच समझकर साइन कर रही हूँ, अब मुझे एक अलग मुकाम हासिल करना है।अब मैं पैसों के लिए नहीं बल्कि अपने अंदर के कलाकार की संतुष्टि के लिए अच्छी दमदार भूमिका करना चाहती हूँ।"

श्रद्धा अपने दर्शकों के लिए कहती है,"हम सभी ने कॅरोना में बहुत बुरा टाइम देखा। सब मौत के मुँह में जाकर वापस आये है और हम सबकी अब नई शुरुआत है, जिसे हमे और अच्छे ढंग से करनी चाहिए। सभी को मेरी शुभकामनाएं है कि वे अच्छा करें और तरक्की करें।"

वे अपने से जुड़े सभी लोगों को एक मैसेज देना चाहती है। और श्रद्धा रानी शर्मा कहती है," मैंने लाईफ में जो गलतियां की, मैं चाहूंगी कि जीवन मे वह दूबारा ना करूँ। मैं एक अच्छी व शांतिपूर्ण जिंदगी जीना चाहती हूँ। यदि मैंने कभी भी गलती से किसी के साथ बुरा किया है या दिल दुखाया है या मेरे बर्ताव के कारण किसी को कोई तकलीफ हुई है तो सबसे माफी मांगती हूँ। और मैं प्रयास करूंगी कि मेरी वजह से किसी को कोई ठेस ना पहुंचे। कॅरोना ने मुझे बहुत कुछ सिखाया है और मुझे बेहतर इंसान बनाया है।"

समृद्ध जनजातीय जीवन दर्शन की झलकियों से रूबरू होंगे देशवासी

झारखण्ड जनजातीय महोत्सव 2022 का गवाह झारखण्ड बनेगा। रांची के मोरहाबादी मैदान में नौ और 10 अगस्त को आयोजित इस समारोह में नार्थ ईस्ट के कलाकार भाग लेंगे। जनजातीय कलाकारों की अद्भुत और अविस्मरणीय कला के प्रदर्शन को लेकर राज्य सरकार की ओर से तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। इस समारोह में जनजातीय इतिहास, साहित्य, मानवशास्त्र समेत अन्य विषयों पर संगोष्ठी, कला एवं संगीत, परिधान, फैशन शो, खान-पान और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित होंगे। कार्यक्रम में झारखण्ड, छत्तीसगढ़, ओडिशा, मिजोरम समेत अन्य जनजातीय बहुल राज्य के कलाकारों के भाग लेने हेतु अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग द्वारा आमंत्रित किया गया है। कार्यक्रम का उद्घाटन समारोह 9 अगस्त 2022 को अपराह्न एक बजे मोरहाबादी मैदान, रांची में होगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद श्री शिबू सोरेन होंगे। जबकि, 10 अगस्त को आयोजित समापन समारोह के मुख्य अतिथि छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल होंगे। महोत्सव की अध्यक्षता मुख्यमंत्री करेंगे। इस दौरान मंत्रिमंडल के समस्त मंत्री, सांसद, विधायक, जिला पंचायत के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं महापौर उपस्थित रहेंगे। मोरहाबादी मैदान में सांस्कृतिक कार्यक्रम, खाद्य-व्यंजन, कला एवं शिल्प की प्रदर्शनी, मोरहाबादी फुटबॉल मैदान में आयोजित होंगे। वहीं ट्राइबल रिसर्च इंस्टीट्यूट में सेमिनार और पैनल चर्चा मोरहाबादी हॉकी मैदान में संपन्न होगा।

घर पर तिरंगा फहराने के लिए हम अपने खून-पसीने की कमाई से राष्ट्रीय ध्वज लें

शिवराज ने ग्रामीण महिलाओं के स्टॉल से लिया राष्ट्रध्वज

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि हमारा राष्ट्रीय ध्वज देश का गौरव और सम्मान है। जान भले ही चली जाए, लेकिन तिरंगे की शान नहीं जानी चाहिए। हर घर तिरंगा अभियान में हम अपने खून-पसीने की कमाई से अपने घर पर फहराने के लिए तिरंगा लें। मुख्यमंत्री ने कहा कि मैं आप सबसे आह्वान करता हूँ कि प्रत्येक व्यक्ति राष्ट्र ध्वज के साथ अपनी सेल्फी अपलोड करें। मुख्यमंत्री चौहान भोपाल की 10 नंबर मार्केट स्थित राग दरबारी परिसर में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान हर घर तिरंगा अभियान के लिए राष्ट्र ध्वज लेने स्वयं राग दरबारी पहुंचे। परिसर में ग्रामीण महिलाओं के स्व-सहायता समूह के स्टॉल से मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने ध्वज लिया। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आजादी के अमृत काल में

हर घर तिरंगा लहराने का आह्वान किया है। मध्यप्रदेश में हमने तय किया है कि हर घर में 13 से 15 अगस्त तक तिरंगा फहरेगा। संपूर्ण प्रदेश में स्व-सहायता समूह की महिलाएं राष्ट्रीय ध्वज की आपूर्ति में दिन-रात लगी हैं। राष्ट्र ध्वज इस धरती का हमारे ऊपर कर्ज है। मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि मैं राष्ट्र ध्वज मंगवा सकता था, लेकिन मैं हर घर तिरंगा अभियान में स्वयं राष्ट्र ध्वज लेने यहां आया हूं। आप भी स्वयं जाकर राष्ट्र ध्वज लें और अपने घर पर उत्साह और उमंग के साथ तिरंगा फहराएं।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने 10 नंबर स्थित राग दरबारी परिसर में भोपाल जिले के ईटखेड़ी गांव के समर्थन स्व-सहायता समूह की महिलाओं से रसीद कटवाकर तिरंगा लिया। मुख्यमंत्री चौहान ने समूह की शिखा मीना, ज्योति विश्वकर्मा, कौसर जहां, मंजू गड़वाल, राधा मीना और कृष्णा विश्वकर्मा से तिरंगा निर्माण के लिए जारी गतिविधियों के संबंध में चर्चा की। उल्लेखनीय है कि प्रदेश में महिलाओं के स्व-सहायता समूहों द्वारा बड़े पैमाने पर झंडों का निर्माण जारी है। साथ ही सूक्ष्म, लघु तथा मध्यम स्तर के उद्यमी, दर्जी, प्रिंटर आदि की सेवाएं भी झंडों की आपूर्ति के लिए ली गई हैं। प्रदेश में 01 करोड़ 51 लाख झंडों की आपूर्ति का लक्ष्य है। भारत सरकार की वेबसाइट **harghartiranga.com** पर झंडे के साथ सेल्फी अपलोड की जाना है। अधिकतम जन-भागीदारी के लिए सोशल मीडिया सहित सभी संचार माध्यमों का उपयोग भी किया जा रहा है।

सीएम बनने की चाह में भाजपा छोड़ने वाले अब पछता रहे: तनावड़े

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की गोवा इकाई के अध्यक्ष सदानंद तनावड़े ने कहा कि विधानसभा चुनाव से पहले मुख्यमंत्री बनने की चाह में पार्टी छोड़ने और अन्य दलों में शामिल होने वाले अब पछता रहे हैं। तनावड़े ने मापुसा शहर में बुधवार को पत्रकारों से कहा कि भाजपा के कुछ नेताओं ने विधानसभा चुनाव से पहले यह सोचकर पार्टी छोड़ दी थी कि कांग्रेस चुनाव जीतेगी। उन्होंने कहा कि उन्होंने गलत सोचा था कि भाजपा चुनाव के बाद सरकार नहीं बना पाएगी। तनावड़े ने कहा, हमने उन्हें पार्टी में बने रहने के लिए मनाने की कोशिश की, लेकिन उन्होंने सोचा कि कांग्रेस चुनाव जीतेगी और वे उस पार्टी में शामिल हो गए। उन्होंने कहा, लेकिन कांग्रेस नहीं जीती। भाजपा ने 20 सीटों पर जीत हासिल की और महाराष्ट्रवादी गोमांतक पार्टी (एमजीपी) तथा निर्दलीयों की मदद से राज्य में एक स्थिर सरकार का गठन किया। इसलिए, जिन्होंने तब हमारा साथ छोड़ दिया था, आज वे पछता रहे हैं। गौरतलब है कि भाजपा के वरिष्ठ नेता माइकल लोबो और कार्लोस अल्मेडा सहित कुछ नेता विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस में शामिल हो गए थे। गोवा की 40 सदस्यीय विधानसभा में अभी भाजपा के 20 सदस्य, कांग्रेस के 11, आम आदमी पार्टी (आप) तथा एमजीपी के दो-दो, तीन निर्दलीय और गोवा फॉरवर्ड पार्टी (जीएफपी) और रिवोल्यूशनरी गोवा पार्टी (आरजीपी) के एक-एक सदस्य हैं। तनावड़े का बयान ऐसे समय में आया है, जब कांग्रेस पार्टी में दरार और उसके पांच विधायकों के भाजपा में शामिल होने की अटकलें हैं।

तनावड़े ने कहा, हमने उन्हें पार्टी में बने रहने के लिए मनाने की कोशिश की लेकिन उन्होंने सोचा कि कांग्रेस चुनाव जीतेगी और वे उस पार्टी में शामिल हो गए।

प्रदेश में खुदरा महंगाई दर आरबीआई की गाइडलाइन से भी काफी कम: कुशवाहा

जनता दल यूनाईटेड के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने विपक्ष द्वारा महंगाई के विरुद्ध निकाले जाने वाले विरोध यात्रा पर अपनी तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के कुशल नेतृत्व एवं आर्थिक सुव्यवस्था के फलस्वरूप बिहार में खुदरा महंगाई दर राष्ट्रीय औसत से काफी कम हैस वैसी स्थिति में बिहार में इस विरोध यात्रा का कोई औचित्य ही नहीं है। कुशवाहा ने कहा कि आरबीआई ने खुदरा महंगाई दर की अधिकतम सीमा 6 प्रतिशत तय की थी जिसका पालन करने में बिहार पूरे तौर पर कामयाब रहा है। जून 2022 में बिहार में खुदरा महंगाई दर मात्र 4.68 प्रतिशत रहीस जबकि इसी कालावधि में देश के अन्य विकसित प्रदेशों में

खुदरा महंगाई दर 7 से 10 प्रतिशत तक थीस लैंड लाक्ड और भूगर्भीय संपदा रहित प्रदेश होने के बावजूद बिहार का यह प्रदर्शन काबिले तारीफ है परन्तु दुर्भाग्य से विपक्ष विरोध करने के क्रम में बिहारी अस्मिता और यहाँ के किसानों, कामगारों, युवाओं एवं व्यवसायिओं के मेहनत और उनकी ईमानदारी पर भी भरोसा नही रखते। उनसे सरकार के प्रयासों को सराहने की उम्मीद रखना ही अपने आप में बेमानी है। प्रदेश अध्यक्ष ने आगे कहा कि जब देश में खुदरा महंगाई दर 7.01 प्रतिशत रही तो वहीं बिहार में मात्र 4.68 प्रतिशत एक बड़ी उपलब्धी हैस दूसरी ओर दिल्ली, पंजाब, उत्तर प्रदेश और तमिलनाडु जैसे राज्यों में भी खुदरा महंगाई दर बिहार से ज्यादा रही है। तेलंगाना में यह 10: से अधिक, आंध्रप्रदेश व हरियाणा में 8: से अधिक जबकि महाराष्ट्र, राजस्थान, मध्यप्रदेश, गुजरात और बंगाल में खुदरा महंगाई दर 7: से ज्यादा रही है। विभिन्न कारणों से महंगाई वर्तमान समय में एक वैश्विक समस्या बन चुकी है फिर भी बिहार का प्रदर्शन शानदार रहा है क्योंकि मुख्यमंत्री जी के लिए बिहार के लोगों की खुशहाली शुरू से ही सर्वोपरि रही है।

गहलोत ने लम्पी से गौवंश को बचाने के लिए केन्द्र सरकार से आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने का आग्रह किया

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राज्य के विभिन्न जिलों के गोवंशीय पशुओं में फैल रहे लम्पी चर्म रोग पर चिंता जताते हुए केन्द्र सरकार से गौवंश को इस बीमारी से बचाने के लिए आर्थिक एवं आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने और बीमारी के प्रभावी नियंत्रण में सहयोग का बृहस्पतिवार को आग्रह किया। गहलोत ने कहा कि राज्य सरकार गौवंशीय पशुओं के प्रति सजगता एवं संवेदनशीलता बरतते हुए रोग नियंत्रण के सभी संभावित उपाय कर रही है। उन्होंने राज्य के पशुपालकों से धैर्य बनाए रखने एवं गौशाला संचालकों, जनप्रतिनिधियों और स्वयंसेवी संस्थाओं से बीमारी के नियंत्रण एवं रोकथाम में राज्य सरकार का सहयोग करने की अपील भी की है। मुख्यमंत्री

ने कहा कि गौवंश में लम्पी चर्म रोग राजस्थान सहित गुजरात, तमिलनाडु, ओडिशा, कर्नाटक, केरल, असम, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश जैसे कई राज्यों में फैल रहा है। एक सरकारी बयान के मुताबिक, गहलोत ने बताया कि प्रदेश के जैसलमेर, जालौर, बाड़मेर, पाली, सिरोही, नागौर, श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, जोधपुर, चुरू, जयपुर, सीकर, झुंझुनू, उदयपुर, अजमेर व बीकानेर जिलों में रोग की पुष्टि हुई है।

तीन जिलों में आकाशीय बिजली गिरने से छह लोगों की मौत, नीतीश ने जताया शोक

बिहार के तीन जिलों में मंगलवार की देर शाम से बुधवार तक आकाशीय बिजली गिरने से छह लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को बताया कि बिहार में आकाशीय बिजली गिरने से कटिहार एवं बांका में एक-एक तथा नवादा में चार लोगों की मौत हुई है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने प्रभावित परिवारों के प्रति अपनी गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि आपदा की इस घड़ी में वे प्रभावित परिवारों के साथ हैं। मुख्यमंत्री ने सभी मृतक के परिजनों को तत्काल चार-चार लाख रूपए बतौर अनुग्रह राशि देने के निर्देश दिए हैं। नीतीश कुमार ने लोगों से अपील की है कि सभी लोग खराब मौसम में पूरी सतर्कता बरतें। खराब मौसम होने पर आकाशीय बिजली से बचाव के लिए आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा समय.समय पर जारी किए गए सुझावों का अनुपालन करें। खराब मौसम में घरों में रहें और सुरक्षित रहें।

नीतीश ने अरुणाचल प्रदेश में चट्टान गिरने से बिहार के तीन मजदूरों की हुई मौत पर शोक जताया

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अरूणाचल प्रदेश के करदाबी जिले स्थित पालन में बुधवार-बृहस्पतिवार की दरमियानी रात चट्टान गिरने से राज्य के तीन मजदूरों की हुई मौत पर शोक व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार नीतीश ने मृत मजदूरों के शोक संतप्त परिवारों को दुख की इस घड़ी में धैर्य धारण करने की शक्ति प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की है। उन्होंने इस घटना में बिहार के मृतकों के परिजनों को मुख्यमंत्री राहत कोष से दो-दो लाख रूपए अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है। नीतीश ने इस दुर्घटना में घायल राज्य के मजदूरों के समुचित इलाज की भी व्यवस्था करने हेतु अधिकारियों को निर्देश दिया है। साथ ही मुख्यमंत्री ने हादसे में घायल मजदूरों के शीघ्र स्वस्थ होने की भी कामना की है।

जैविक खेती को बढ़ावा देने से भूमि की उर्वरा शक्ति बेहतर होगी : बघेल

गोधन न्याय योजना के लाभार्थियों के लिए 5.60 करोड़ रु. जारी

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने बृहस्पतिवार को गोधन न्याय योजना के लाभार्थियों को 5.60 करोड़ रूपए का भुगतान किया। जनसंपर्क विभाग के अधिकारियों ने बताया कि मुख्यमंत्री ने बृहस्पतिवार को गोधन न्याय योजना के लाभार्थियों को 5.60 करोड़ रूपए ऑनलाइन हस्तांतरित किए, जिसमें गोबर विक्रेताओं को दी गई दो करोड़ 17 लाख रुपए, स्व सहायता समूहों को एक करोड़ 37 लाख रुपए और गौठान समितियों को दो करोड़ सात लाख रुपए की राशि शामिल है।

गोधन न्याय योजना के तहत अब तक कुल 311 करोड़ 94 लाख रूपए का भुगतान किया जा चुका है। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर कहा कि गोधन

न्याय योजना देश-दुनिया की इकलौती ऐसी योजना है, जिसमें दो रुपए किलो की दर से गोबर तथा चार रुपए लीटर की दर से गौमूत्र की खरीद की जा रही है। उन्होंने कहा कि इस योजना के तहत अब तक 155.58 करोड़ रुपए की गोबर खरीदी जा चुकी है। गौठान समितियों और महिला स्व-सहायता समूहों को अबतक 156.36 करोड़ रुपए का भुगतान किया गया है। बघेल ने कहा कि महिला समूहों द्वारा 17 लाख क्विंटल वर्मी कम्पोस्ट, 5.19 लाख क्विंटल से अधिक सुपर कम्पोस्ट और 18,924 क्विंटल सुपर कम्पोस्ट प्लस खाद का निर्माण किया जा चुका है। इस उत्पादित खाद को सोसायटियों के माध्यम से शासन के विभिन्न विभागों एवं किसानों को रियायती दर पर उपलब्ध कराया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में जैविक खेती को बढ़ावा देने से भूमि की उर्वरा शक्ति बेहतर होगी। खेती की लागत में कमी आएगी और बेहतर गुणवत्ता के विषरहित खाद्यान्न उपलब्ध होने से लोगों का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। उन्होंने कहा कि गोधन न्याय योजना की शुरुआत जिन लक्ष्यों को हासिल करने के लिए की गई थी, वह सभी लक्ष्य बहुत कम समय में हासिल होने लगे हैं।

गोधन न्याय योजना छत्तीसगढ़ का गौरव बन चुकी है। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि किसानों ने माना है कि जैविक खाद के उपयोग से खेती की मिट्टी मुलायम हो रही है। इससे चालू खरीफ सत्र में खेत की जुताई और धान की रोपाई में आसानी हो रही है। अधिकारियों ने बताया कि मुख्यमंत्री ने गौठानों में निर्मित जैविक खाद की गुणवत्ता को बनाए रखने के साथ ही अब गौ-मूत्र से बेहतर गुणवत्ता का कीटनाशक तथा ग्रोथ प्रमोटर तैयार किए जाने का निर्देश दिया है।

हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत भावनगर रेलवे मंडल पर तिरंगा वितरण शुरू किया

केन्द्र सरकार के निर्देशानुसार पूरे देश में हर घर तिरंगा अभियान चलाया जा रहा है, जिसके अंतर्गत पश्चिम रेलवे के भावनगर मंडल पर भी अभियान की शुरूआत हो चुकी है। भावनगर मंडल के मंडल रेल प्रबंधक मनोज गोयल ने 04 अगस्त, 2022 को मंडल के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को झंडा वितरित कर झंडा वितरित करने की शुरूआत की। प्रत्येक कर्मचारियों को 13 अगस्त से 15 अगस्त, 2022 तक अपने अपने घरों पर झंडा फहराने का निर्देश जारी किया जा चुका है। इस कार्यक्रम के बारे में विस्तार से बताते हुए सीनियर डीसीएम माशूक अहमद ने बताया कि मंडल पर झंडा खरीद एवं वितरण का कार्य वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी अरिमा भटनागर की देखरेख में

वेलफेयर टीम द्वारा की जा रही है। मंडल पर कुल 6000 झंडा वितरण के लिए खरीदा गया है, जिसे मंडल के सभी कर्मचारियों तक पहुंचाया जाएगा ताकि सभी कर्मचारी अपने घरों पर शान से तिरंगा फहरा सकें।

SPORTS खेल जगत

महिला एकल के प्री क्वार्टरफाइनल में पहुंचीं पीवी सिंधु

बॉसिंग में अमित पंघाल ने पक्का किया पदक

बर्मिंघम में खेले जा रहे राष्ट्रमंडल खेलों में भारत का प्रदर्शन अब तक शानदार रहा है। आज भारत की ओर से बैडमिंटन में स्टार खिलाड़ी पीवी सिंधु ने भी शानदार खेल दिखाया है। मालदीव की खिलाड़ी फातिमा नबाहा अदुल रज्जाक को महिला एकल स्पर्धा के मुकाबले में हराकर पीवी सिंधु प्री क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर चुकी हैं। पीवी सिंधु के लिए मुकाबला कोई कठिन नहीं था। दो बार ओलंपिक में पदक हासिल कर चुकी पीवी सिंधु ने राउंड 32 के मुकाबले मालदीव की फातिमा नबाहा अदुल रज्जाक को महज 21 मिनट में 214 21-11 से हरा दिया। पीवी सिंधु के लिए आज का मुकाबला कोई ज्यादा मेहनत वाला भी नहीं रहा। फातिमा को पीवी सिंधु के सामने कई मुश्किलों का सामना करना पड़ा। पीवी सिंधु ने अपना खेल आराम से खेला उनके खेल में आक्रामकता भी नहीं थी। बावजूद इसके मालदीव की प्रतिद्वंदी उनका सामना नहीं कर सकी।

दूसरे गेम में बात करें तो फातिमा ने शुरू में थोड़ी चुनौती पेश जरूर की और वह सिंधू के साथ 9-9 की बराबरी पर थी योंकि भारतीय खिलाड़ी ने सहज गलतियों से अंक दे दिये थे। लेकिन फिर सिंधू ने ब्रेक तक 11-9 की बढ़त हासिल कर ली। इसके बाद उन्होंने आराम से अंक जुटाकर अंतिम 16 में जगह बनायी जबकि प्रतिद्वंद्वी केवल दो अंक ही बना सकी। वहीं, बैडमिंटन में किदांबी श्रीकांत ने युगांडा के डैनियल वैनेगेलिया को हराकर प्री क्वार्टर फाइनल में अपना स्थान बनाया है। श्रीकांत ने इस मुकाबले को 21-9 21-9 से जीता है। दूसरी ओर बॉसिंग में भारत के लिए अच्छी खबर है। बॉसिंग में भारत के अमित पंघाल ने अपना पदक पक्का कर लिया है। वह सेमीफाइनल में पहुंच गए हैं। स्कॉटलैंड के लेनन मूलिगन को अमित ने दूसरे क्वार्टर फाइनल में हरा दिया। अमित ने इस मुकाबले को 5-0 से अपने नाम किया है।

हिमा अपनी हीट जीतकर 200 मीटर स्पर्धा के सेमीफाइनल में

भारत की स्टार स्प्रिंटर हिमा दास गुरूवार को यहां राष्ट्रमंडल खेलों की 200 मीटर स्पर्धा में अपनी हीट में 23.42 सेकेंड का समय निकालकर पहले स्थान पर रहीं जिससे उन्होंने सेमीफाइनल के लिये क्वालीफाई किया। हिमा (22 वर्ष) पांच महिला धाविकाओं की हीट में शुरू से ही सबसे आगे रहीं जिसमें जाबिया की रोडा नजोबवु 23.85 सेकेंड से दूसरे स्थान पर जबकि युगांडा की जासेंट नयामहुंगे 24.07 सेकेंड के समय से तीसरे स्थान पर रहीं। महिलाओं की 200 मीटर रेस में छह हीट से शीर्ष 16 सेमीफाइनल के लिये क्वालीफाई करेंगी। हिमा ने हीट 2 जीती लेकिन हीट 1 में नाईजीरिया की फेवर ओफिली (22.71 सेकेंड) और हीट 5 में इलेन थॉपसन हेरा (22.80 सेकेंड) ने उनसे काफी बेहतर समय निकाला।

रन से हराकर सेमीफाइनल में रखा कदम

भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने राष्ट्रमंडल खेल 2022 में बारबाडोस को 100 रन के विशाल अंतर से हराकर सेमीफाइनल में जगह बना ली है। भारत ने बुधवार को खेले गये ग्रुप-ए के आखिरी मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 163 रन बनाये थे, जिसके जवाब में बारबाडोस 62 रन ही बना सकी। बारबाडोस ने टॉस जीत कर भारत को पहले बल्लेबाजी के लिये बुलाया और सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना (5) को जल्दी पवेलियन लौटाया, लेकिन इसके बाद कुछ भी उनके पक्ष में नहीं गया। शफाली वर्मा ने ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुए 26 गेंदों पर सात चौके और एक छक्का लगाकर 43 रन बनाये। कप्तान हरमनप्रीत कौर (0) और विकेटकीपर तानिया भाटिया (6) महत्वपूर्ण योगदान नहीं दे सकीं, मगर जेमिमा रोड्रिगेज़ और दीप्ती शर्मा ने 70 रन की नाबाद साझेदारी कर भारत को 162/4 के स्कोर तक पहुंचाया। रोड्रिगेज़ ने छह चौकों और एक छक्के की बदौलत सर्वाधिक 56 (46) रन बनाये, जबकि शर्मा ने 28 गेंदों पर दो चौकों और एक छक्के की मदद से 34 रन की पारी खेली। बारबाडोस 162 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए कभी भी मुकाबले में नहीं थी। रेणुका सिंह ने अपनी शानदार फॉर्म को जारी रखते हुए पावरप्ले में ही विपक्षी टीम के चार बल्लेबाजों को पवेलियन लौटा दिया। रेणुका ने अपने चार ओवर में 2.5 की औसत से मात्र 10 रन देकर चार विकेट लिए। बारबाडोस की ओर से किशोना नाइट ने सर्वाधिक 16 रन बनाए जबकि शाकिरा सलमान ने 12 रन की पारी खेली। इनके अलावा कैरिबियाई टीम का कोई खिलाड़ी 10 रन के आंकड़े को भी नहीं छू सका। रेणुका के अलावा भारत की ओर से मेघना सिंह, स्नेह राणा, राधा यादव और हरमनप्रीत ने एक-एक विकेट लिया। अब भारत का सामना सेमीफाइनल में इंग्लैंड या न्यूज़ीलैंड में से किसी एक से होगा।

पाकिस्तान की झोली में आया पहला गोल्ड, भारत ने जीता ब्रॉन्ज

28 जुलाई से हो रहे कॉमनवेल्थ गेस 2022 में आखिरकार पाकिस्तान ने अपना पहला गोल्ड मेडल जीत लिया है। वेटलिटिंग में पाकिस्तान को मेडल की उपलधि खेल के छठे दिन हासिल हुई है। इसी इवेंट में भारतीय टीम को ब्रॉन्ज मेडल मिला है। खेलों में अब तक पाकिस्तान ने एक गोल्ड और एक ब्रॉन्ज मेडल जीता है वहीं भारत ने 5 गोल्ड समेत 18 मेडल जीते है। बता दें कि भारत को 10 मेडल वेटलिटिंग में ही मिले हैं। खेल के छठे दिन पुरूष का 109+ किग्रा कैटेगरी का मैच हुआ जिसमें पाकिस्तान के मोहमद नूह दस्तगिर बट ने गोल्ड जीता है।

बट ने टोटल 405 किग्रा का भार उठाकर जीत हासिल की। पहले राउंड में बट ने 173 किग्रा का भार उठाया फिर दूसरे राउंड में बट ने बेस्ट 232 किग्रा भार उठाते हुए गोल्ड अपने नाम कर लिया। इसी में भारत की तरफ से खेल रहे गुरदीप सिंह ने ब्रॉन्ज मेडल जीता हैं। उन्होंने टोटल 390 किग्रा भार उठाया। गुरदीप ने पहले राउंड ने 167 किग्रा भार उठाया था। इसके बाद दूसरे राउंड में गुरदीम ने 223 किग्रा भार उठाते हुए ब्रॉन्ज मेडल पर कजा जमाया।

तेजस्विन शंकर ने पुरूषों की ऊंची कूद में कांस्य पदक जीता

तेजस्विन शंकर ने राष्ट्रमंडल खेलों की एथलेटिस स्पर्धा में बुधवार को भारत का खाता खोलते हुए पुरूषों की ऊंची कूद स्पर्धा में कांस्य पदक जीता। राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी शंकर ने 2.22 मीटर की कूद लगाई।

दिल्ली उच्च न्यायालय के निर्देश पर ऐन मौके पर टीम में शामिल किये गए 23 वर्ष के शंकर का सत्र का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 2.27 और सर्वश्रेष्ठ निजी प्रदर्शन 2.29 मीटर है। न्यूजीलैंड के हामिश केर को स्वर्ण और आस्ट्रेलिया के ब्रेंडन स्टार्क को रजत पदक मिला। दोनों ने 2.25 मीटर की कूद लगाई थी।

राष्ट्रमंडल खेलः हिमा अपनी हीट जीतकर 200 मीटर स्पर्धा के सेमीफाइनल में पहुंची

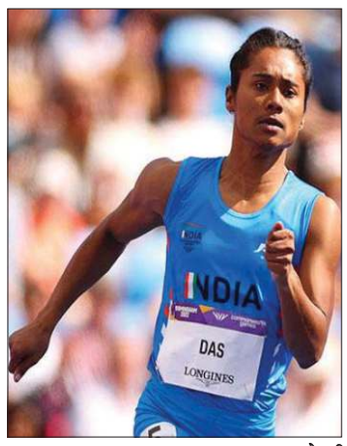

भारत की स्टार स्प्रिंटर हिमा दास यहां राष्ट्रमंडल खेलों की 200 मीटर स्पर्धा में अपनी हीट में 23.42 सेकेंड का समय निकालकर पहले स्थान पर रहीं जिससे उन्होंने सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई किया। हिमा (22 वर्ष) पांच महिला धाविकाओं की हीट में शुरू से ही सबसे आगे रहीं जिसमें जाबिया की रोडा नजोबवु 23.85 सेकेंड से दूसरे स्थान पर जबकि युगांडा की जासेंट नयामहुंगे 24.07 सेकेंड के समय से तीसरे स्थान पर रहीं।

महिलाओं की 200 मीटर रेस में छह हीट से शीर्ष 16 सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगी। हिमा ने हीट 2 जीती लेकिन हीट 1 में नाईजीरिया की फेवर ओफिली (22.71 सेकेंड) और हीट 5 में इलेन थॉपसन हेरा (22.80 सेकेंड) ने उनसे काफी बेहतर समय निकाला। हिमा की तुलना में कम से कम छह खिलाड़ियों ने बेहतर समय निकाला जो सेमीफाइनल में पहुंची।

भारत-वेस्टइंडीज मैच अमेरिका में ही होंगे, खिलाड़ियों को मिला वीजा

गुयाना। भारत और वेस्टइंडीज के बीच होने वाले सीरीज के अंतिम दो अंतरराष्ट्रीय मैच अमेरिका में ही होंगे। इसके लिए दोनो ही टीमों के खिलाड़ियों को वीजा मिल गया है। ये मैच शुक्रवार और शनिवार को खेले जाएंगे। एक रिपोर्ट के अनुसार गुयाना सरकार के हस्तक्षेप के बाद कुछ खिलाड़ियों और दोनों टीमों के सहयोगी स्टाफ के वीजा से जुड़े मामलों को हल कर लिया गया है। एक रिपोर्ट के अनुसार भारतीय दल के 14 सदस्यों के पास संयुक्त राज्य की यात्र के लिए अनुमति नहीं थी। तीसरे टी20 मैच के बाद सभी खिलाड़ियों को जॉर्ज टाउन में साक्षात्कार के लिए अमेरिकी दूतावास भेजा गया था।

देश परदेश

कड़ी पाबंदियों के बाद भी स्पेस में सैटेलाइट भेज रहा है ईरान, रूस बन रहा मददगार

परमाणु समझौता रद्द होने के बाद कड़ी पाबंदियों के बीच ईरान का मददगार बनकर रूस सहयोग कर रहा है। रूस की स्पेस एजेंसी रोसकॉस्मोस अगले हते ईरान की एक सैटेलाइट लांच करने जा रही है। रोस्कोस्मोस अंतरिक्ष एजेंसी ने कहा कि अंतरिक्ष यान, 'खय्याम' नामक एक रिमोट सेंसिंग उपग्रह 9 अगस्त को पड़ोसी देश कजाकिस्तान के बैकोनूर कोस्मोड्रोम से सोयुज-2.1 बी रॉकेट द्वारा कक्षा में भेजा जाएगा। रूस ने दक्षिणी कजाकिस्तान में एक स्पेसपोर्ट को लीज पर लिया है। खबर के अनुसार ईरान के इस अर्थ ऑजर्वेशन उपग्रह का नाम प्रसिद्ध फ़ारसी पॉलीमैथ उमर खय्याम के नाम पर रखा गया है, जो गणित, खगोल विज्ञान, दर्शन और कविता के क्षेत्र में अपने योगदान के लिए विश्व स्तर पर जाने जाते हैं। यह सैटेलाइट कथित तौर पर ईरान की कृषि उत्पादकता में सुधार, जल संसाधनों की बेहतर निगरानी, प्राकृतिक आपदाओं, निर्माणाधीन विकास परियोजनाओं की निगरानी और देश की सीमाओं पर कड़ी नजर भी रखेगा।

अमेरिकी प्रतिबंधों के बावजूद ईरान ने बीते कुछ वर्षों में प्रौद्योगिकी विज्ञान के क्षेत्र में बड़ी प्रगति की है। इस साल की शुरुआत में, ईरान के इस्लामिक रेवोल्यूशन गार्ड्स कॉर्प्स की एयरोस्पेस फोर्स ने अपने पहले सैन्य उपग्रह के लॉन्च के लगभग दो साल बाद, अपने दूसरे उपग्रह नूर-2 को लोअर अर्थ ऑर्बिट (लियो) में लॉन्च किया था। ईरानी वैज्ञानिकों के अनुसार नूर-2 उपग्रह से ईरान में कई सैन्य और नागरिक मिशनों को अंजाम देने में सहायता हासिल होगी।

ताइवान पर बंटी दुनिया, चीन को मिला रूस का साथ तो जी-7 देश हुए खिलाफ; खूब बरसा कनाडा

चीन और ताइवान के बीच छिड़ी तकरार में अमेरिका की इंट्री से ड्रैगन खासा खफा है। इस टकराव में दुनिया के कई और देश शामिल हो गए हैं। एक तरफ रूस ने बुधवार को बयान जारी कर अमेरिका पर आरोप लगाया था कि उसने नैन्सी पेलोसी को ताइवान भेजकर विवाद को हवा दी है और उकसाने वाला काम किया है। वहीं दूसरी तरफ कनाडा भी इस मसले में कूद पड़ा है और उसने चीन को इस तनाव के लिए जिमेदार ठहराया है। कनाडा की विदेश मंत्री मेलानी जोली ने कहा कि चीन जो कर रहा है, उसे लेकर हम बेहद चिंतित हैं। उसकी ओर से सेना की बड़े पैमाने पर तैनाती करना गैर-जरूरी है। उन्होंने कहा कि इस मामले में चीन की हरकतों को भी किसी भी तरह से सही नहीं कहा जा सकता।

जर्मन विदेश मंत्री अन्नालेना बेयरबॉक से मुलाकात के दौरान भी उन्होंने यही बात कही। जोली और जर्मन विदेश मंत्री ने चीन से तनाव को कम करने की अपील की। बता दें कि नैन्सी पेलोसी ताइवान के एक दिवसीय दौरे पर पहुंची थीं और उसे लेकर चीन लाल हो गया है। 25 साल के बाद ऐसा पहली बार हुआ है, जब अमेरिका कोई नेता ताइवान पहुंचा है। द्वीपीय देश ताइवान को चीन अपना हिस्सा मानता रहा है और कई बार सेना के जोर पर उस पर कजा जमाने की भी धमकियां दे चुका है। इस बीच जी-7 देशों के विदेश मंत्रियों की ओर से भी इस मामले में बयान जारी किया गया है।

ग्रुप-7 देशों का कहना है, 'ताइवान की खाड़ी में जिस तरह से आक्रामक सैन्य गतिविधि चल रही है, उसे सही नहीं कहा जा सकता। हमारे सांसदों का दुनिया के किसी भी इलाके में दौरा करना सामान्य है और रूटीन प्रक्रिया है। लेकिन चीन के रवैये ने तनाव पैदा कर दिया है और क्षेत्र में अस्थिरता पैदा करने की कोशिश की गई है।' जी-7 देशों की ओर से जो बयान जारी किया गया है, उसमें अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी लिंकन के अलावा कनाडा, जर्मनी, फ्रांस, इटली, जापान और यूके के विदेश मंत्रियों ने साइन किए हैं। इसके अलावा यूरोपियन यूनियन के प्रतिनिधि की ओर से भी इस पर हस्ताक्षर किए गए हैं। इस तरह से अमेरिका को ताइवान के मसले पर जी-7 देशों का समर्थन मिला है। वहीं पाकिस्तान और रूस ने चीन का समर्थन किया है।

प्रेग्नेंसी फोटोशूट में लिपलॉक करते नजर आए धीरज धूपर

टीवी एक्टर धीरज धूपर और विन्नी अरोड़ा जल्द ही माता-पिता बनने वाले हैं। दोनों ने हाल ही में मैटर्निटी फोटोशूट करवाया और ये खूबसूरत तस्वीरें फैंस के साथ साझा कीं। फोटोज में विन्नी और धीरज एक दूसरे को किस करते नजर आ रहे हैं। विन्नी अरोड़ा क्रीम कलर का सूट पहने हैं और धीरज धूपर ने व्हाइट शर्ट और जींस पहनी हुई है। दोनों बहुत प्यारे लग रहे हैं और ये तस्वीरें इंटरनेट पर वायरल हैं। विन्नी अरोड़ा इस खूबसूरत ड्रेस में अपना बेबी बंप फ्लॉन्ट करती नजर आईं और इन तस्वीरों को शेयर करते हुए उन्होंने कैप्शन में लिखा, 'जो खुशियां तुमने गिफ्ट की थीं वो अब छोटी-छोटी किक्स में बदल चुकी हैं।' कमेंट बॉक्स में लोग विन्नी और धीरज की जोड़ी की जमकर तारीफें करते दिखाई पड़ रहे हैं और उनकी तारीफें करते नहीं थक रहे। ढेरों सेलेब्रिटीज ने भी विन्नी अरोड़ा और धीरज धूपर की तारीफों के पुल बांधे हैं। रिद्धि डोगरा ने कमेंट सेक्शन में लिखा- मैं बस तुम्हें मैसेज ही करने वाली थी। कपल के काफी क्लोज रहने वाले शाइनी दोशी, रूही चतुर्वेदी और सुदीप साहिर ने भी कमेंट सेक्शन में हर्ट और फायर इमोजी बनाकर अपनी प्रतिक्रिया दी है।

टीवी के 'शक्तिमान' ने की सरकार से हिंदू राष्ट्र बनाने की मांग

मुकेश खन्ना ने हिंदू राष्ट्र की मांग करते हुए अपने ट्वीट में लिखा कि हिंदुस्तान में रहकर अपने देश को इंडिया कहलवाना बहुत हो गया। ये तो उसी दिन हो जाना चाहिए था जिस दिन पाकिस्तान बना। इस ट्वीट के साथ उन्होंने अपने यूट्यूब चैनल का लिंक डाला है जिसमें एक्टर के साथ जगद्गुरु परमहंस आचार्य भी नजर आ रहे हैं। हिंदुस्तान में रह कर अपने देश को हिंदुस्तान ना कह कर इंडिया कहलवाना बहुत हो गया।ये तो उसी दिन ही हो जाना चाहिए था जब पाकिस्तान बना।आश्चर्य है कि जब जिन्ना ने पाकिस्तान की माँग रखी और बना दिया तब नेहरू ग्रुप ने हिंदुस्तान क्यों नहीं बनाया। खन्ना से पूछते नजर आ रहे हैं कि हिंदू राष्ट्र के बारे में आपके क्या विचार है? इस पर मुकेश खन्ना कहते हैं, 'इस बात को मैंने एक साल पहले भी उठाया था कि हमारा देश पहले अखंड था तो आज क्यों नहीं है?' उन्होंने वीडियो में भारत सरकार से अपील की कि देश को जल्द से जल्द हिंदू राष्ट्र घोषित किया जाए।

कियारा आडवाणी को सलमान खान ने दी थी नाम बदलने की सलाह

बॉलीवुड की खूबसूरत अदाकारा कियारा आडवाणी का 31 जुलाई को बर्थडे है। कियारा ने अपनी एक्टिंग के दम पर बहुत ही कम समय में बॉलीवुड में अपनी खास जगह बना ली हैं। लेकिन क्या आपको पता है कियारा आडवाणी का असली नाम आलिया आडवाणी है और उन्होंने सलमान खान की सलाह पर अपना नाम बदल लिया था। कियारा आडवाणी ने एक चैट शो के दौरान इस बात का खुलासा किया था। कियारा ने कहा था, पहले मेरा नाम आलिया था। सलमान खान ने मुझे आलिया भट्ट के कारण नाम बदलने की सलाह दी थी क्योंकि एक ही नाम की बॉलीवुड में 2 एक्ट्रेस नहीं हो सकती हैं। कियारा ने इस बारे में आगे बताते हुए कहा कि सलमान ने केवल सलाह दी थी लेकिन नाम कियारा का चुनाव मैंने किया था। अब तो मेरे पैरेंट्स ने भी मुझे इस नाम से बुलाना शुरू कर दिया है। कियारा ने बताया था कि फिल्म 'अंजाना अंजानी' में प्रियंका के किरदार का नाम कियारा होता है जिससे वो बेहद प्रभावित हुई थीं। इसलिए उन्होंने अपना नाम भी कियारा कर लिया। 2014 में फिल्म 'फुगली' से करियर की शुरुआत करने वाली कियारा, एमएस धोनी: द अनटोल्ड स्टोरी, मशीन, लस्ट स्टोरीज कबीर सिंह के साथ भारत आने नेनु, विनया विधेया रामा जैसी कई और तेलुगु फिल्मों में भी काम कर चुकी हैं। वह जल्द ही अपने कथित बॉयफ्रेंड सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ फिल्म 'शेरशाह' में नजर आने वाली हैं।

सोनम कपूर ने आनंद आहूजा को विश किया बर्थडे

सोनम कपूर ने हाल ही में सोशल मीडिया पर फोटोज शेयर कर अपने पति आनंद आहूजा को बर्थडे विश किया है। सोनम ने फोटोज के साथ आनंद के लिए एक हार्टफेल्ट नोट भी लिखा है। एक्ट्रेस ने लिखा कि उन्होंने बहुत अच्छे काम किए होंगे, जो उन्हें आनंद जैसे पति मिले। साथ ही सोनम ने बताया कि आनंद दुनिया के बेस्ट डैड बनेंगे। सोनम ने लिखा, 'मेरे पति आप सेल्फलेस, डेडिकेटेड और बहुत दयालु हैं। मैंने अपनी लाइफ में कुछ बहुत अच्छे काम किए होंगे, जो मुझे इतना प्यार करने वाला पति मिला है। कोई आपके मुकाबले में नहीं है और न कभी होगा। हैप्पी बर्थडे माय स्नीकर ओब्सेस्ड, बास्केट बॉल लवर और स्पिरिचुअल सीकर सोलमेट।' सोनम ने आगे लिखा, 'आप हमेशा ऐसे ही चमकते रहोगे, क्योंकि आपकी चमक आपकी अच्छाई से आती है। साथ ही आप एक बहुत अच्छे पिता भी बनेंगे, क्योंकि आप हमेशा सीखने के लिए तैयार रहते हैं। बहुत सारा प्यार बर्थडे बॉय।' साथ ही सोनम ने एवरीडे फिनोमेनल भी हैसटैग किया। बता दें, आनंद और सोनम जल्द ही पेरेंट्स बनने वाले हैं। कपल ने अपनी प्रेग्नेंसी की अनाउंसमेंट इस साल के शुरुआत में की थी।

मनीष मल्होत्रा के लिए रैंप पर उतरे रणवीर-दीपिका

रणवीर सिंह और दीपिका पादुकोण ने 'मिजवां फैशन वीक' में मनीष मल्होत्रा के लिए रैंप वॉक किया। इस इवेंट के सोशल मीडिया पर कई वीडियोज वायरल हो रहे हैं। जिनमें रणवीर अपनी पत्नी दीपिका को किस करते दिखाई दे रहे हैं। साथ ही रणवीर ने अपनी इवेंट में अपनी मां के पैर छूकर वहां मौजूद सबका दिल जीत लिया। रणवीर ने ब्लैक कलर के कुर्ते-पायजामा और एम्ब्रॉइडरी वाला कोट पहना था। वहीं, दीपिका ने क्रिस्टल के हैवी वर्क वाला लहंगा पहना। इस रॉयल लुक में दोनों ने एक-दूसरे का हाथ पकड़े रैंप वॉक किया।

दिग्गज एक्टर मिथिलेश चतुर्वेदी का निधन

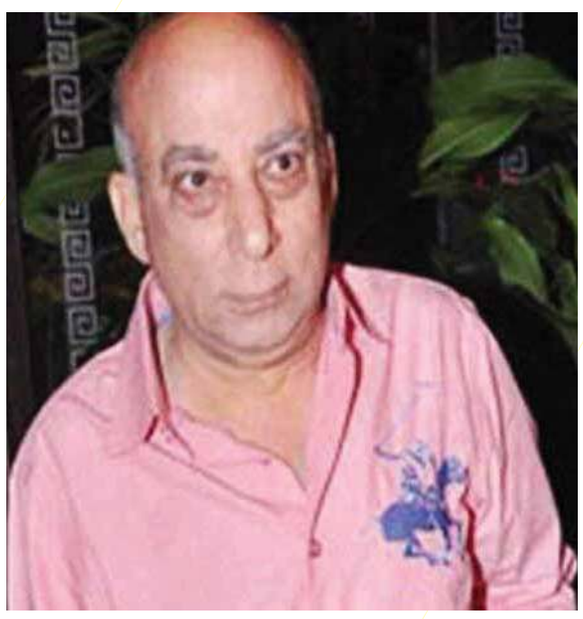

बॉलीवुड इंडस्ट्री से एक दुखद खबर सामने आई है। दिग्गज एक्टर मिथिलेश चतुर्वेदी का निधन हो गया है। खबरों के अनुसार उन्होंने 3 अगस्त की शाम लखनऊ में आखिरी सांस ली। मिथिलेश हार्ट संबंधी समस्याओं से जूझ रहे थे। कुछ समय पहले मिथिलेश को हार्ट अटैक आया था, जिसके बाद वह इलाज के लिए होमटाउन शिफ्ट हो गए थे। मिथिलेश चतुर्वेदी के निधन की खबर से फिल्म इंडस्ट्री में शोक की लहर दौड़ गई है। मिथिलेश चतुर्वेदी ने कई बॉलीवुड फिल्मों में काम किया। मिथिलेश चतुर्वेदी ने 1997 में फिल्म 'भाई भाई' से बॉलीवुड में डेब्यू किया था। मिथिलेश फिल्म फिजा, कोई मिल गया, सत्या, गदर- एक प्रेम कथा, बंटी और बबली, कृष, ताल, मोहल्ला अस्सी और रेडी जैसी फिल्मों में नजर आए थे। 2020 में वह वेब सीरीज 'स्कैम 1992' में नजर आए थे। मिथिलेश चतुर्वेदी फिलहाल Banchhada नाम की एक फिल्म पर काम कर रहे थे।

अपनी ही दौड़ में दौड़ते नजर आए टाइगर श्रॉफ

बॉलीवुड स्टार टाइगर श्रॉफ का स्टारडम लगातार बढ़ता ही जा रहा है। फैंस और दर्शकों के दिलों पर राज करने वाले टाइगर सिर्फ बॉलीवुड तक ही सीमित नहीं हैं, उन्होंने पूरी दुनिया में फैंस बनाने को लेकर बड़ी छलांग लगाई है। आलम यह है कि एक छोटी- सी क्लिप भी अगर टाइगर सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दें, तो लाइक और कमेंट्स की झड़ी लग जाती है। हाल ही में टाइगर श्रॉफ ने एक वीडियो शेयर किया है, जो जमकर वायरल हो रहा है। यह वीडियो कहीं न कहीं जिंदगी को लेकर एक बहुत बड़ी सीख देने का वादा करता है कि जंग कितनी भी कड़ी हो, अगर मन में ठान लिया, तो जीत निश्चित है। कू ऐप पर भी अपने जलवे टाइगर श्रॉफ फैंस के बीच खूब बिखेरते हैं। इस पोस्ट के माध्यम से टाइगर ने कहा है, अपनी ही दौड़ दौड़ रहा हूं...

इस दिल छू लेने वाले वीडियो को देखकर यह बात स्पष्ट है कि हार और जीत, सिर्फ और सिर्फ आपकी सोच पर निर्भर करती है। जंग में भाग लेने से पहले यदि आपने सोच लिया कि आप ही जीतेंगे, तो आपको दुनिया की कोई ताकत हरा नहीं सकती है। यही जुनून टाइगर श्रॉफ के चेहरे पर साफ दिखाई दे रहा है, जब वे कई अन्य लोगों के साथ दौड़ में हिस्सा लेने के लिए खुद को तैयार कर रहे हैं। और खास बात यह है कि अपने इरादे के अनुसार वे सभी प्रतिस्पर्धियों को पीछे छोड़ते हुए इस दौड़ को आखिर में जीत ही जाते हैं। टाइगर श्रॉफ के फ्रंट वर्क की तो आने वाले समय में उनकी एक के बाद एक शानदार फिल्में रिलीज़ होने की कतार में हैं। इस लिस्ट में सबसे पहले शशांक खेतान के निर्देशन में बन रही फिल्म 'स्क्रू ढीला' है।

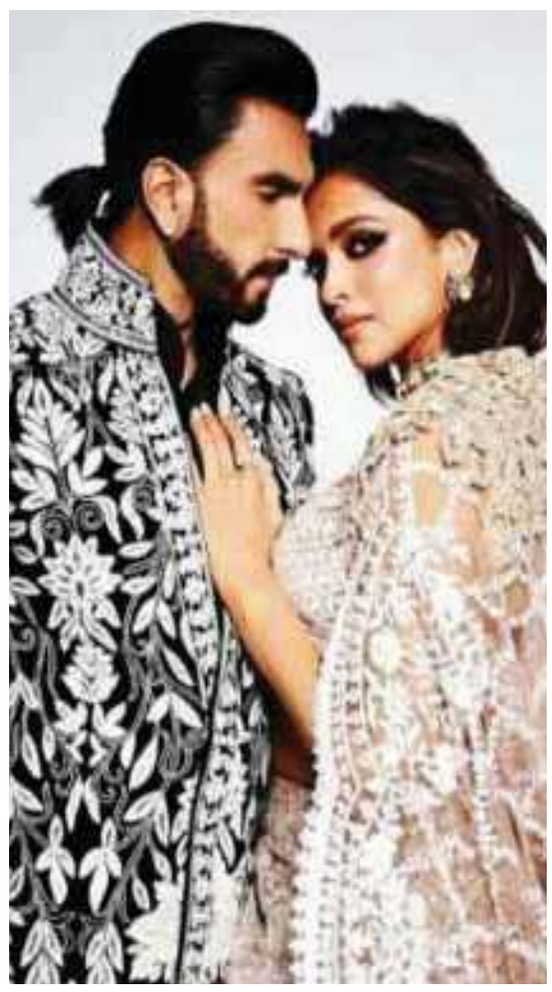

टेरारियम एक निजी उद्यान

आर्किटेक्ट धीरज सल्होत्रा
(प्रधान अध्यापक)
ठाकुर स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर एंड प्लानिंग, मुंबई

एक टेरारियम एक मछलीघर की तरह है, लेकिन मछली के बजाय पौधों के लिए। यह लगभग किसी भी कांच के कंटेनर में बनाया जाता है। यह अपनी छोटी सी दुनिया में घिरे एक लघु उद्यान या जंगल की तरह दिखने के लिए लगाया जाता है। घर और कार्यालयों में टेरारियम रखने की अवधारणा जल्द ही लोकप्रियता हासिल कर रही है।

हर कोई अपना व्यक्तिगत टेरारियम बना सकता है। टेरारियम एक निजी उद्यान के रूप में कार्य करता है, जो किसी भी कॉम्पैक्ट अपार्टमेंट के बीच प्रकृति की एक छोटी सी चमक लाता है। इसमें ज्यादा जगह की जरूरत नहीं होती है और इसे घर की साज-सज्जा में कम से कम मेहनत से लगाया जा सकता है। छात्र टेरारियम के बारे में सीखने और अपने निजी उद्यान बनाने में गहरी दिलचस्पी ले रहे हैं।

टेरारियम के पौधे आम तौर पर अपने

दम पर जीवित रहते हैं और मालिक की उपेक्षा को सहन कर सकते हैं। उष्णकटिबंधीय पौधों की किस्में, जैसे काई, ऑर्किड, फ़र्न और वायु पौधे, आमतौर पर उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों के आर्द्र और आश्रय वाले वातावरण के समान होने के कारण बंद टेरारियम के भीतर रखे जाते हैं। पौधे आत्म-पोषण पर काम करते हैं और संक्षेपण और रात की ओस द्वारा अपने अस्तित्व के लिए आवश्यक नमी उत्पन्न करते हैं। स्टडी टेबल या राइटिंग डेस्क के बगल में एक टेरारियम की नियुक्ति प्रकृति के साथ बहुत आवश्यक जुड़ाव प्रदान करने और उत्तेजना के माध्यम से तनाव को दूर करने में सक्षम है।

टेरारियम की स्थापना पर आयोजित कार्यशालाओं में, छात्रों ने विशेष रूप से गतिविधि को दिलचस्प और कायाकल्प पाया है। टेरारियम को न केवल जीवित घर के हिस्से के रूप में पोषित करने की संस्कृति बल्कि पर्यावरण के अनुकूल उपहार भी है। टेरारियम घर के अंदर की हवा को शुद्ध करने और प्रकृति के साथ निकटता का माहौल बनाने का एक शानदार तरीका है।

अंधेरी साकीनाका एयरपोर्ट का रास्ता यात्रियो के लिए जोखिम भरा

संवाददाता। मुंबई मुबंई के अंधेरी स्थित अंतराष्ट्रीय हवाई मार्ग को जोडने वाली सडक साकानीका टेलीफोन एक्सचेंज से अंधेरी कुर्ला को जोडती है। इस सडक के बडे गड्ढो से यात्रियो और राहगुज़रो को आए दिन मुसीबत का सामना करना पडता है।मिलिट्री कैंटीन और ताजसाट्स एयर कैटरीन की जाने वाली सडक बेहद जर्जर और जोखिम भरा आवागमन साबित होता जा रहा है। आए दिन जलजमाव और गड्ढो की वजह से महिलाओ बुजूर्गो और बच्चो को इस रास्ते मे बाइक और रिक्शे मेचलने से तकलीफ होती है। अंतर्राष्ट्रीय हवाई मार्ग होने के नाते यह मुबंई का प्रमुख मार्ग है इसका रखरखाव मुबंई महानगर पालिका के अंतर्गत आता है और इन दिनो लोकनिर्माण विभाग मंत्रालय सहित इस विभाग के अभियंता उदासीन है।स्थानीय लोगो और कुछ कार्यालय मे काम करने वाले लोगो ने भी इसकी शिकायते की लेकिन उनके हाथ निराशा लगी है। इस तरह मुख्य शहर का सडक की यह जर्जर स्थित बहुत लचर व्यवस्था की कलई खोलती दिख रही है।

पांच महीने में पांच जेहादी मॉड्यूल का खुलासा, मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने दी जानकारी

असम जेहादी गतिविधियों का गढ़ बनता जा रहा है। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने खुलासा किया कि पिछले पांच महीनों में पांच जेहादी मॉड्यूल का खुलासा किया और कइयों को गिरफ्तार किया है। इसमें बरपेटा मॉड्यूल, एबीटी मॉड्यूल-2,एबीटी मॉड्यूल-3,एबीटी मॉड्यूल-4 और एबीटी मॉड्यूल शामिल हैं। सरकार के इन दावों से साफ है कि राज्य में जेहादी मॉड्यूल तेजी से पैर पसार रहे हैं। यह राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा साबित हो सकते हैं। इन मॉड्यूल का खुलासा असम पुलिस और एनआईए के साथ मिलकर किया है। ये हैं जेहादी मॉड्यूल बरपेटा माड्यूल: अंसार अल बंग्ला टीम के छह सदस्य की गिरफ्तारी 4 मार्च को की गई थी। इसका मुखिया है मोहम्मद सुमन उर्फ सोफइ उल इस्लाम। यह एक मस्जिद में इमाम और मदरसे में शिक्षक है। बताया जाता है कि आम तौर पर यह माड्यूल बंग्लादेश से आए लोगों को अपने प्रभाव में लेते हैं। पुलिस को उसके पास से जेहादी साहित्य मिला है। और इसका केश एनआईए के पास है।

मुंबईकरों की सेवा में एसी डबल डेकर बस, शुक्रवार को होगी बसों की लांचिंग

संवाददाता । मुंबई मुंबई: बीईएसटी की परिवहन सेवा में अब इलेक्ट्रिक डबल डेकर एसी बसों को भी शामिल किया जा रहा है। शुक्रवार से मुंबई में एसी डबल डेकर बसें भी दौड़ने लगेंगी। एक साल के अंदर बेस्ट में कुल 900 एसी बसें शामिल की जाएंगी। जिसमें से इस साल के अंत तक 225 बसें प्राप्त होने की उम्मीद है।मुंबई में लांच होने वाली डबल डेकर बसें लंदन में चलने वाली मॉडल जैसी है। बेस्ट के महाप्रबंधक लोकेश चंद्रा के अनुसार, एलेक्ट्रिक बसों को लीज पर लेने की निविदा बहुत ही न्यूनतम स्तर पर दर्ज की गई है। यह रेट केवल 56 रुपए प्रति किलोमीटर है। इससे बेस्ट को अपने घाटे में उबरने में मदद मिलेगी। 6 रुपए होगा न्यूनतम किराया बेस्ट अधिकारी के अनुसार, डबल डेकर एसी बसों को न्यूनतम किराया 5 किमी दूरी तक 6 रुपए होगा। जैसे मिडी बसों के लिए है। शुरुआत में यह बसें मुंबई सीएसएमटी से नरीमन प्वाईंट, कुलाबा से वर्ली और कुर्ला से सांताक्रूज तक चलाई जाएंगी। मुंबई में वर्तमान में 48 डबल डेकर बसें चल रही हैं। बसें पुरानी हो चुकी हैं जिन्हें बेस्ट के बेडे से हटाया जाना है। अधिकारी ने बताया कि मार्च 2023 तक अन्य 225 बसें प्राप्त होंगी और 450 बसें जून 2023 तक प्राप्त हो जाएंगी। 2025 तक मुंबई में चलने वाली सभी बसों को इलेक्ट्रिक बसों में बदलने पर पूरा फोकस किया जा रहा है।

विभिन्न गतिविधियो मे सराहनीय कार्य के लिए छात्रो का सम्मान

शैक्षणिक खेल और सामाजिक कार्यो के लिए मनपा महापौर और आयुक्त ने 6 छात्रो का किया सम्मान

गणेश पाण्डेय।

भाईदंर मीरा भायंदर शहर के विभिन्न शैक्षणिक, खेल और सामाजिक क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल करने वाले छात्रों,खिलाड़ियों और सामाजिक कार्यकर्ताओं को महापौर ज्योत्सना हस्नाले और आयुक्त दिलीप ढोले के हाथो सम्मानित किया गया. इस उपम-हापौर हसमुख गहलोत, अपरआयुक्त संभाजी पानपट्टे की उपस्थिति में छात्रो को शॉल, गुलदस्ता और सम्मान बैज देकर सम्मानित किया गया इस सम्मानित अवसर पर मनपा के सभी नगरसेवक एवं संबंधित खिलाड़ी, प्रतियोगी एवं उनके परिवार के लोग उपस्थित थे।जिन एथलीट, खिलाड़ी और सामाजिक कार्यकर्ता को सम्मानित किया गया है उनमे से प्रमुख नाम है।पहला मोहम्मद हुसैन भादसोरावाला - 12वीं (विज्ञान शाखा) परीक्षा जय हिंद कॉलेज,चर्चगेट यहां से 96.83 फीसदी अंक हासिल कर मुंबई में टॉपर रहे हैं दूसरा नाम रचना अमर बडे का रहा जिन्होने पोइसर जिमखाना, कांदिवली (पश्चिम) मुंबई और 42वीं राष्ट्रीय मास्टर एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2022 अन्ना स्टेडियम, कुड्डालोर (तमिलनाडु) दोनों में वर्ष 2021 और 2022 में आयोजित इस प्रतियोगिता में राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर दौड़ मे स्वर्ण पदक और रिले स्पर्धा में रजत पदक जीते।तीसरा नाम श्वेता बुराड,अप्रैल 2022 में 5.00 मीटर वॉक, 5000 मीटर वॉक और 5000 मीटर दौड़ में कांस्य पदक और रजत पदक जीतकर चैंपियनशिप मे नाम शहर का किया।चौथा नाम डॉ. सुनील गणपत धाकटोड़े ने 203 बार रक्तदान किया है और इसके लिए उन्हें विभिन्न स्थानों से कुल 70 पुरस्कार मिल चुके हैं। पाचंवा नाम मेविस अब्दुल करीम टाक ने जामिया विश्वविद्यालय, दिल्ली से स्वतंत्र रूप से अध्ययन किया और शैक्षणिक वर्ष 2021-22 में तीसरे प्रयास में अखिल भारतीय रैंक 386 के साथ यूपीएससी परीक्षा उत्तीर्ण की।छठा नाम आस्था विरल शाह आरबीके स्कूल में पढ़ रही हैं। आस्था विरल शाह ने शैक्षणिक वर्ष 2021-22 में कक्षा 10वीं की परीक्षा में 99.40% अंक (आईसीएसई बोर्ड) हासिल किए और देश में तीसरे स्थान पर रहीं।उपरोक्त छात्रो को सम्मानित करने के उपरांत महापौर और आयुक्त ने उनके भविष्य की उज्जवल कामना किए और मीरा-भायंदर शहर का नाम रोशन करने पर उनको बधाई दी।

100 के ऊपर टिकट चेकिंग स्टाफ हुए सम्मानित

मंडल रेल प्रबंधक द्वारा टिकट चेकिंग स्टाफ को उत्कृष्ट कार्य के लिए दिया गया सम्मान

चेकिंग स्टाफ को योग्यता प्रमाण पत्र, पदक और नकद पुरस्कार से सम्मानित किया गया

पश्चिम रेलवे के मुंबई मंडल द्वारा जून, 2022 तक आयोजित ऐसे जांच अभियानों के दौरान 29.81 करोड़ रुपये के राजस्व की वसूली करके एक उपलब्धि है जो इस अवधि के लिए निर्धारित लक्ष्य के मुकाबले कई गुना अधिक है । मुंबई सेंट्रल मंडल के मंडल रेल प्रबंधक जी. वी. एल. सत्याकुमार ने मई और जून, 2022 के महीने में सर्वश्रेष्ठ कार्य निष्पादन के लिए मंडल के सर्वश्रेष्ठ टिकट जांच कर्मचारियों को सम्मानित किया। मंडल रेल प्रबंधक श्री सत्याकुमार ने उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए 101 टिकट चेकिंग स्टाफ को योग्यता प्रमाण पत्र, पदक और नकद पुरस्कार से सम्मानित किया। टिकट चेकिंग स्टाफ को उनके व्यक्तिगत लक्ष्यों से अधिक प्राप्त की गई जुर्माना राशि के आधार पर वर्गीकृत किया गया था। कर्मचारियों को निर्धारित मानकों और मानदंडों के आधार पर चुना गया और तदनुसार उन्हें स्वर्ण, रजत एवं कांस्य पदक और नकद पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। इससे उनका मनोबल बढ़ा है और उन्हें अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन देने के लिए प्रेरित करेगा। मई, 2022 में गहन चेकिंग अभियान के दौरान टिकट जांच में 12.24 करोड़ रुपये जुर्माना राशि प्राप्त करके इतिहास रच दिया। अप्रैल, मई और जून 2022 के महीनों के लिए जुर्माने के रूप में वसूल की गई कुल संचयी राशि रु. 29.81 करोड़ है, जो पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 732% अधिक है और 4.58 करोड़ के निर्धारित संचयी लक्ष्य से 550% अधिक है। ये उपलब्धियां मंडल के वाणिज्य विभाग द्वारा सावधानीपूर्वक गहन योजना और क्रियान्वयन के कारण प्राप्त हुई हैं।

मुंशी प्रेमचंद जयंती समारोह संपन्न

गणेश पाण्डेय मुम्बई:

रेल राजभाषा विभाग द्वारा मंगलवारको मुंशी प्रेमचंद जी की 142वीं जयंती के उपलक्ष्य में प्रधान मुख्य सिगनल एवं दूरसंचार इंजीनियर एवं मुख्य राजभाषा अधिकारी ए.के. श्रीवास्तव की अध्यक्षता में मुंशी प्रेमचंद के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया । इस अवसर पर उप महाप्रबंधक (राजभाषा) श्री विपिन पवार ने मुंशी प्रेमचंद की जीवनी एवं उनके साहित्य का संक्षेप में आलेख प्रस्तुत किया । प्रधान मुख्य सिग्नल एवं दूरसंचार इंजीनियर एवं मुख्य राजभाषा अधिकारी ए.के. श्रीवास्तव ने अपने संबोधन में कहा कि यह उनका सौभाग्य है कि मध्य रेल पर मुख्य राजभाषा अधिकारी के रूप में कार्यभार ग्रहण करने के पश्चात उन्हें राजभाषा विभाग की ओर आयोजित किए गए ऐसे कई आयोजनों में भाग लेने और हिंदी साहित्य से जुड़ने का अवसर मिला है । उन्होंने इस संगोष्ठी में अतिथि वक्ता के रूप में आमंत्रित मुंबई विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग के प्रोफेसर एवं अध्यक्ष डॉ. करुणाशंकर उपाध्या ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि मुंशी प्रेमचंद की सभी रचनाएं पाठकों के दिलों को छू लेती हैं । उनकी रचनाओं में प्रस्तुत किया गया समाज जीवन का चित्रण तथा पात्र पाठकों को अपने में से ही एक लगते हैं । प्रेमचंद जी के कई उपन्यासों और कहानियों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि प्रेमचंद जी के साहित्य में हमें दहेज, लगान, शोषण, अछूत आदि जैसी कई सामाजिक समस्याओं का जीवंत चित्रण मिलता है ।

रफ्तार में नई वंदे भारत एक्सप्रेस देंगी यूरोपियन ट्रेनों को मात ! रेलवे कर रहा बड़ी तैयारी

देश में फिलहाल अभी दो वंदे भारत ट्रेनों का संचालन हो रहा है। भारतीय रेलवे और भी कई रूटों पर वंदे भारत ट्रेन चलाने पर विचार कर रहा है। इसी बीच पश्चिम रेलवे को चेन्नई स्थित आईसीएफ (इंटीग्रल कोच फैक्ट्री) से वंदे भारत ट्रेन सेट की नई रेक अलॉट कर दी गई है। यह आवंटन रेल मंत्रालय द्वारा दिया गया है। अमर उजाला को जानकारी के अनुसार पश्चिम रेल ज़ोन को 18 कोच वाली अत्याधुनिक वंदे भारत रेक अलॉट की गई है। यह रेक आईसीएफ में पूरी तरह से डिस्पैच हो चुकी है। इस रेक में केवल पांच फीसदी कार्य फिनिशिंग के तौर पर बाकी रह गए हैं। आसमानी रंग की होंगी सीटें पश्चिम रेलवे को अलॉट हुई पहली वंदे भारत ट्रेन सेट लगभग तैयार हो चुकी है। इसमें सीटें लगाने का काम पूरा कर दिया गया है। इस नई वंदे भारत ट्रेन की सीटें रंग स्काई ब्लू रंग की हैं। आईसीएफ के एक वरिष्ठ अधिकारी ने नाम न छापने के अनुरोध पर अमर उजाला से कहा, हमने इस रेक

को लगभग डिस्पैच कर दिया है। इसमे सीट लगाने का काम पूरा कर दिया है। इसमें अब फिनिशिंग का लगभग पांच प्रतिशत काम और बाकी है, जो एक दो हफ्ते में पूरे कर लिए जाएंगे। उसके बाद रेल मंत्रालय के निर्देशानुसार इसे पश्चिम रेल जोन मुंबई के लिए भेज दिया जाएगा। इसके लिए हम तैयारी कर रहे हैं। हमने इसे चलाने के लिए सबसे पहले मुंबई-अहमदाबाद रूट का प्रस्ताव तैयार किया है और समय सारिणी भी बनाई है, लेकिन अभी यह प्राथमिक स्टेज पर है।

सुप्रीम कोर्ट ने उम्मीदवारों के अपराधिक रिकॉर्ड से जुड़ी याचिका खारिज की, कहा- ये चुनाव आयोग का मामला

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों में प्रत्याशियों के आपराधिक रिकॉर्ड का ब्यौरा प्रकाशित न करने वाली पार्टियों के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई से इनकार कर दिया है। न्यायमूर्ति बी आर गवई और न्यायमूर्ति पी एस नरसिम्हा की पीठ ने कहा कि चुनाव आयोग इस मामले में सक्षम प्राधिकारी है और यह चुनाव आयोग का विषय है।

दरअसल, उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों में राजनीति के अपराधीकरण को रोकने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने सभी राजनीतिक दलों को निर्देश दिया था कि वे अपने प्रत्याशियों के आपराधिक रिकॉर्ड का ब्यौरा मीडिया में प्रकाशित करवाएं। इसको लेकर कोर्ट में

याचिका दायर कर आदेश की अवमानना करने वाले दलों के खिलाफ कार्यवाही शुरू करने की मांग की गई थी। याचिकाकर्ता ने बताया कि सभी प्रमुख पार्टियों ने 2018 में आए SC के आदेश का पालन नहीं किया। शीर्ष अदालत एक वकील ब्रजेश सिंह द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई कर रही थी,

यह हिन्दी साप्ताहिक मालक, मुद्रक, प्रकाशक - दिलीप नानजीभाई पटेल द्वारा 403, बिल्डिंग नं.1, रोशन नगर, एस.आर.ए, सी.एच.एस. लि. नियर गणेश मंदिर, ओशिविरा जोगेश्वरी (प्र) मुंबई 400102 से मुद्रित कर एस.आर. पब्लिकेशन एवं प्रिंटींग प्रेस, गाला नं.8/9/10, नीयर घरातन पाड़ा ऑपोजिट रामेश्वरम बिल्डिंग, वैशाली नगर लास्ट बस स्टोप टाईटल फ्रंट, दहिसर (पूर्व), मुंबई 400068 से प्रकाशित किया गया है। संपादकः दिलीप नानजीभाई पटेल, उप संपादकः किरीट अमृतलाल चावड़ा RNI No. MAHHIN/2020/78591 Mob: 7666090910 / 9574400445 Email : mumbaitarang@gmail.com / pateldilipuk2014@gmail.com वाद-विवाद का क्षेत्र मुंबई होगा।